सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 21 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 04 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

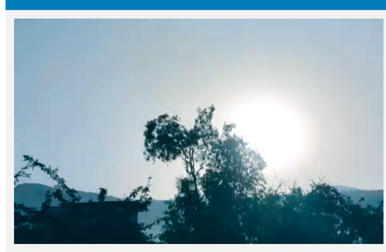

2 डिग्री तक गिरेगा पाराः बंगाल में बने सिस्टम से दक्षिण-पश्चिमी जिलों में बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज से मौसम शुष्क रहने की संभावना है। तापमान में 1-2 डिग्री की गिरावट हो सकती है और अगले दो दिनों में कोई विशेष बदलाव नहीं होने की संभावना है। राज्य में चक्रवात मोन्था का प्रभाव अब खत्म हो गया है। हालांकि, बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया के कारण राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी जिलों में अगले कुछ दिनों तक मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है।

इस दौरान गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। फिलहाल, मौसम विभाग ने किसी जिले के लिए विशेष अलर्ट जारी नहीं किया है। पिछले 24 घंटों के आंकड़ों के अनुसार, राजनांदगांव में सबसे अधिक तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अम्बिकापुर में न्यूनतम तापमान 15.9 डिग्री सेल्सियस रहा। सोमवार को अम्बिकापुर का तापमान 19 डिग्री था, यानी एक ही दिन में 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बारिश की गतिविधियां लगभग थम गई हैं। पिछले 24 घंटों में कुछ जगहों पर हल्की बूंदाबांदी को छोड़कर अधिकतर हिस्सों में मौसम साफ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों में शुष्क और ठंडी हवा का प्रभाव बढ़ेगा। इससे रात का तापमान गिर सकता है और ठंड बढ़ेगी।

मणिपुर के खनपी में उग्रवादियों ने सेना पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में चार उग्रवादी ढेर

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले से लगभग 80 किलोमीटर पश्चिम स्थित खनपी गांव में सोमवार तड़के सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के चार उग्रवादी मारे गए।

रक्षा सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी। अभियान के दौरान आतंकियों ने सेना के दस्ते पर बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की।

यूकेएनए एक गैर-एसओओ उग्रवादी संगठन है। हाल के दिनों में इस संगठन की तरफसे कई हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया गया, जिनमें एक गांव प्रमुख की हत्या, स्थानीय लोगों को डराने-धमकाने और क्षेत्र में शांति भंग करने के प्रयास शामिल थे। इसके बाद ही सेना की तरफ से यह कार्रवाई की गई। सेना और असम राइफल्स ने बयान में कहा है कि यह ऑपरेशन क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने तथा नागरिकों की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान अभी जारी है।

बच्चों ने एयरोबैटिक टीम से पूछा- हवा में हार्ट कैसे बनाते हैं?.. मिला रोचक जवाब

राजधानी रायपुर के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में एयरोबैटिक टीम ने स्कूली बच्चों से किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर में पांच नवंबर यानी राज्योत्सव के समापन पर भारतीय वायुसेना के जांबाज सूर्यकिरण एरोबैटिक शो करने जा रहे हैं। यह शो कितना रोमांचक व हैरत अंगेज उसका अंदाजा इसे लेकर बने उत्साह से ही दिख रहा है। सोमवार को भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम (Suryakiran Aerobatic Team – SKAT) ने स्कूली बच्चों से संवाद किया। इस दौरान बच्चों ने टीम से पूछा हवा में हार्ट कैसे बनाते हैं। टीम भी इसका मुस्कुराकर जवाब दिया।

भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के सदस्य दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम पहुंचे, जहां उन्होंने स्कूली बच्चों से बात की और उनके सवालों का जवाब दिया। टीम के पायलटों और तकनीकी विशेषज्ञों को देखकर बच्चों में जबरदस्त उत्साह दिखा। सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बच्चों ने उत्साह से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों और अभिभावकों ने कहा कि यह संवाद बच्चों के लिए अविस्मरणीय रहा। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब भारतीय सशस्त्र बलों को नए दृष्टिकोण से देख रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में सूर्यकिरण टीम ने सभी विद्यार्थियों को 5 नवम्बर को नवा रायपुर में आयोजित 'एरोबैटिक शो' में शामिल होकर भारतीय वायुसेना के शौर्य का साक्षी बनने का आमंत्रण दिया।

बच्चों ने पूछे सवाल, टीम ने दिया जवाब

उड़ान के दौरान टीम के पायलटों के बीच कितनी दूरी रहती है, मौसम का क्या प्रभाव पड़ता है, और हवा में बने हार्ट या एरोहेड जैसे फॉर्मेशन कैसे बनाए जाते हैं। टीम के सदस्यों ने मुस्कुराते हुए हर सवाल का जवाब सरल और प्रेरक अंदाज़ में दिया।

अनुशासन, सटीकता और टीमवर्क से दिखाती है करतब

टीम के सदस्यों ने बच्चों को बताया कि कैसे सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम अनुशासन, सटीकता और टीमवर्क के माध्यम से आकाश में अद्भुत करतब करती है। उन्होंने समझाया कि हवाई करतब केवल कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि साहस, एकाग्रता और धैर्य की परीक्षा भी होती है। टीम ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हर उड़ान एक जिम्मेदारी है — न केवल भारतीय वायुसेना के प्रति, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव के प्रति भी। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि अगर वे मन लगाकर मेहनत करें, तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं। टीम ने बच्चों को भारतीय वायुसेना के जीवन, प्रशिक्षण और तकनीकी तैयारियों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एयर फोर्स के बनने के लिए न केवल शारीरिक फिटनेस जरूरी है, बल्कि मानसिक मजबूती और वैज्ञानिक सोच भी उतनी ही आवश्यक है।

सूर्यकिरण टीम के सदस्यों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल हवाई प्रदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी में देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण की भावना जगाना भी है। उन्होंने बच्चों से कहा हमारी उड़ान तभी सार्थक है जब आपकी आँखों में भी उड़ने का सपना जग जाए।

दोस्त के साथ घूमने गई कॉलेज छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, एनकाउंटर के बाद तीन आरोपी गिरफ्तार

कोयंबटूर ए.। तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल अपने दोस्त के साथ घूमने गई एक कॉलेज छात्रा के साथ कुछ आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना कोयंबटूर के एयरपोर्ट के नजदीक रविवार रात को घटी। सामूहिक दुष्कर्म करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित छात्रा कोयंबटूर के एक निजी कॉलेज में पढ़ती है। वह रविवार की रात अपने पुरुष दोस्त के साथ घूमने गई थी और एयरपोर्ट के नजदीक अपने दोस्त के साथ कार में थी। तभी वहां पहुंचे तीन आरोपियों ने महिला के दोस्त को पीटा और छात्रा का अपहरण कर लिया और दूसरी जगह ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपियों के हमले में घायल महिला के दोस्त की मौत हो गई है।

एनकाउंटर के बाद आरोपी गिरफ्तार

कोयंबटूर के पुलिस कमिश्नर सर्वानन सुंदर ने बताया कि कॉलेज छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म करने और उसके दोस्त की हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों को कोयंबटूर के बाहरी इलाके से पकड़ा गया, जब उन्होंने मौके से भागने की कोशिश की। इस पर पुलिस ने आरोपियों के पैरों में गोली मारकर उन्हें पकड़ा। आरोपियों की पहचान गुना, करुप्पासामी और कार्तिक उर्फ कालीश्वरम के रूप में हुई है। आरोपियों को पकड़ने के दौरान एक हेड कॉन्सटेबल भी घायल हुए हैं।

घटना के बाद तमिलनाडु में राजनीतिक गरमा गई है। विपक्षी पार्टियों ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सत्ताधारी डीएमके पर निशाना साधा। एआईएडीएमके ने कोयंबटूर समेत राज्य के विभिन्न इलाकों में विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। भाजपा ने भी बीती शाम कोयंबटूर में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा नेता के अन्नामलाई ने कहा कि कोयंबटूर की घटना बेहद हैरान करने वाली है। उन्होंने कहा कि जब से डीएमके के राज में महिला अपराध की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

दुर्ग पुलिस की लिस्ट से हटाए गए 57 हिस्ट्रीशीटर के नाम, मरने के सालों बाद मिली कलंक से मुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लोग आपराधिक गतिविधियों में पड़कर पुलिस की निगरानी और गुंडा-बदमाशों की लिस्ट में तो शामिल हो जाते हैं, लेकिन उनकी मौत के बाद ये कलंक नहीं मिटता। एसएसपी विजय अग्रवाल की संजीदगी के बाद गुंडा एवं निगरानी बदमाशों की लिस्ट का पुनर्मूल्यांकन किया गया। इसके बाद पता चला कि कुल 57 हिस्ट्रीशीटरों की मौत चुकी है, जिनमें 41 के नाम गुंडा बदमाश और 16 निगरानी बदमाश की लिस्ट में है। इसके अलावा जिले में लगातार वारदातों में संलिप्त रहने वाले 117 लोगों की हिस्ट्रीशीट खोली गई। उनमें 93 आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को गुंडा और 24 को निगरानी बदमाश की लिस्ट में डाला गया। इसके अलावा लंबे समय से पेंडिंग पड़े पुराने 102 मामलों को नस्तीबद्ध किया गया।

एसएसपी विजय अग्रवाल ने जिले में पहली बार उन हिस्ट्रीशीटरों की फाइलें खुलवाई जो कागजों में अरसे से लापता या फरार चल रहे थे। इनमें कुछ तो ऐसे हैं जिनमें से किसी का 44 तो किसी का 35 साल बाद हिस्ट्रीशीटर की लिस्ट से नाम हटाया गया।

ऐसे में उनके परिजनों का कहना है कि उनके बुजुर्गों को उनकी मौत के बाद सांसारिक बंधन से मुक्ति तो मिल गई थी, लेकिन उन पर लगे कलंक से अब जाकर मोक्ष प्राप्त हुआ है। इसी तरह अच्छे व्यवहार और सालों से आपराधिक गतिविधियों में शामिल नहीं होने की वजह से 61 निगरानी बदमाशों माफी दी गई है।

दरअसल पुलिस चोरी या चाकूबाजी या फिर अन्य संगीन अपराधों में संलिप्त लोगों को थानेवार निगरानी या गुंडा बदमाश तो बना देती है, लेकिन समय बीतने के साथ उनके आचरण और व्यवहार को कभी नहीं देखती। इसके चलते साल दर साल ऐसे लोगों के नाम उम्रदराज होने के बाद भी निगरानी या गुंडा बदमाश की लिस्ट में शामिल रहता है। इसमें कुछ ऐसे लोगों के नाम भी है, जिनकी मौत होने के बाद भी पुलिस उन्हें लापता बताकर फाइल चलाती रहती है।

एयर टिकट बुकिंग के 48 घंटे तक फ्री कैंसिलेशन मिलेगा डीजीसीए जल्द ला सकता है हवाई यात्रा के नए नियम

■ **डीजीसीए ने 30 नवंबर तक मांगे सुझाव**

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। अब एयर पैसेंजर्स को टिकट बुक करने के 48 घंटे के अंदर बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के कैंसिल या चेंज करने का मौका मिल सकता है। डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इन नियमों को लाने के लिए एक ड्राफ्ट जारी किया है। डीजीसीए ने लोगों से इसके लिए 30 नवंबर तक सुझाव मांगे हैं। अगर सब ठीक रहा तो जल्द ही नियम बनेगा, लेकिन ये कब से लागू होंगे, ये अभी तय नहीं हुआ है।

डीजीसीए से मिली जानकारी के अनुसार बुकिंग के बाद 48 घंटे का 'लुक-इन' पीरियड मिलेगा। यानी सोचो-समझो, पसंद न आए तो टिकट कैंसिल कर दों। नाम में कोई एरर हो तो 24 घंटे के अंदर फ्री में सुधार करा सकते हैं। मेडिकल इमरजेंसी में भी एयरलाइन रिफंड दे सकती है। पैसेंजर ने टिकट एयरलाइंस की वेबसाइट से डायरेक्ट बुक की हो या ट्रैवल एजेंट या किसी पोर्टल से, रिफंड की जिम्मेदारी एयरलाइन की होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि एजेंट उनका ही एक्सटेंशन है। रिफंड 21 वर्किंग दिनों में देना होगा। अगर टिकिट में अमेंडमेंट कर रहे हैं, तो सिर्फनए फ्लाइट का फेयर डिफरेंस लगेगा। लेकिन ये सुविधा तभी

मिलेगी, जब फ्लाइट की डिपार्चर डेट बुकिंग से कम से कम 5 दिन (डोमेस्टिक) या 15 दिन (इंटरनेशनल) दूर हो।

फिलहाल भारत में एयर टिकट कैंसिलेशन के लिए कोई स्टैंडर्ड 48 घंटे का ग्रेस पीरियड नहीं है। ज्यादातर एयरलाइंस अपनी पॉलिसी के मुताबिक फीस लगाती हैं। रिफंड प्रोसेस भी धीमा है, और पैसेंजर्स को परेशानी होती है। खासकर ट्रैवल एजेंट्स या पोर्टल्स से बुकिंग में रिफंड में देरी आम बात है। डीजीसीएम का ये प्रपोजल इन प्रॉब्लम्स को सॉल्व करने के लिए है, ताकि पैसेंजर्स को क्लियर गाइडलाइंस मिलें।

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये चेंज पैसेंजर्स को एम्पावर करेगा और ट्रस्ट बढ़ाएगा। हालांकि, कुछ एयरलाइंस को लगता है कि इससे उनके रेवेन्यू पर असर पड़ सकता है।

राजनीति का फैमिली बिजनेस

श्रीकंचनपथ

हां! भारत में राजनीति फैमिली बिजनेस है। इसके लिए कोई एक दल जिम्मेदार नहीं है। इसके लिए जिम्मेदार है हमारी मानसिकता जो व्यक्ति में भगवान देखती है और उसकी लगभग पूजा करती है। वैसे भी वर्ण व्यवस्था ने हमारे जीन्स में इसकी व्यवस्था कर रखी है। डॉक्टर, व्यापारी और अभिनेता भी अपने परिवार, खासकर पिता, के नक्शे कदम पर चलते हैं। जब पंडित, नाई, मोची बिना अपने पिता का व्यवसाय अपनाए भी वर्ण का लाभ ले सकता है तो राजनीति में क्या दिक्कत है। जिस बच्चे को शहद तक किसी नेता ने चटाई हो, जिसे पार्टी कार्यकर्ताओं ने गोद में खिलाया हो, घर पर सुबह-शाम जिसने केवल राजनेता और अधिकारी ही देखे हों तो वह नेता नहीं तो और क्या बने? स्कूल-कालेज में भी उसके बाप की राजनीति उसका स्पेशल स्टैटस होती है। आज जितने भी लोग कांग्रेस के परिवारवाद के खिलाफहैं, उन्हें भी देखिए तो विधायक-सांसद-मंत्री के आगे वो बिछ से जाते हैं। नेता-मंत्री ही क्यों, सरकारी अधिकारियों को भी हमने कभी लोक सेवक नहीं समझा। टैक्स के पैसों से वेतन पाने वाले आईएएस-आईपीएस अफसरों से लेकर थाने का हवलदार तक जनता पर इस तरह रौब झाड़ता है जैसे वो नहीं बल्कि जनता उसकी नौकर हो। थरूर सही कहते हैं कि राजनीति में परिवार वाद और वंशवाद बहुत हो गया। थरूर वंशवाद के तमाम उदाहरण भी देते हैं।

स्वाभाविक रूप से इसमें नेहरू-इंदिरा-राजीव का नाम शीर्ष पर आता है। पर वे यहीं नहीं रुकते। भारत के अलग-अलग राज्यों से लेकर हमारे पड़ोसी मुल्कों तक की सरकार में वंशवाद को वो रेखांकित करते हैं। थरूर कहते हैं कि अब हमें योग्यता आधारित व्यवस्था को अपनाना चाहिए। इसे कहना जितना आसान है, इस स्थिति को प्राप्त करना बहुत कठिन। काबिल लोगों के पास और भी काम हैं। वो नेता पैदा करते हैं। मंत्री के घर मामाजी बनकर पीआर संभालते हैं। चुनाव की कमान उनके हाथों में होती है। आका के कहने पर वो अपनी सीट नेता पुत्र के लिए छोड़ देते हैं। अपनी मेहनत से उसे विजयी बनाते हैं। फिर अपनी मेहनत की कीमत वसूलते हैं। नेता उसे बनाया जाता है जिसका चेहरा नेता जैसा हो। जो बड़ी-बड़ी बातें कर सकता हो। जो सिस्टम को अपने ऊपर हावी न होने दे। जिसमें लीक तोड़ने की हिम्मत हो। जो लोग अपनी काबीलियत पर आगे बढ़ते हैं, उनकी राह में इतने कांटे बिछा दिये जाते हैं कि देर सबेर वह आका की शरण में आ ही जाता है। तब तक उसकी उम्र हो चुकी होती है और वह थक भी चुका होता है। रही बात जनता की तो वह काबिल नेता कैसे चुने? वह तो उसी को सच मान लेता है जो वह अखबारों में पढ़ता है या सोशल मीडिया पर निगलता है। उसके लिए नेता की काबीलियत पार्टी का ठप्पा है। जिसे पार्टी टिकट दे दे, उसे ही चुनना उसकी मजबूरी है। इसलिए थरूर सही होते हुए भी निरर्थक हो जाते हैं।

संपादकीय

विश्व विजेता बेटियां

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वो इतिहास रचा, जिसका दो दशक से इंतजार था। एक दिवसीय क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतकर उन्होंने उस कमी को पूरा किया, जो साल 2005 और 2017 में फाइनल में पहुंचकर भी हासिल न हो सकी थी। ऐसे वक्त में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम को खिताबी दौड़ में कमजोर माना जा रहा था, उसने सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया टीम को सेमीफाइनल के एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। मुकाबले में मुंबई की जेमिमा रॉड्रिग्स ने 127 रन की तूफानी यादगार पारी खेली। लगता था शुरुआत में कई मैच हारने वाली भारतीय महिला टीम ने अपनी ऊर्जा फाइनल मुकाबले के लिये बचा रखी थी, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टीम को 52 रन से हरा दिया। रविवार की रात हरमनप्रीत कौर की कप्तानी ने पासा ही पलट दिया। फिर उनकी टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में चालीस हजार से ज्यादा दर्शकों के बीच जीत का जश्न जमकर मनाया। इस जुनूनी जश्न की वे हकदार भी थीं। साथ ही देश के एक अरब चालीस करोड़ लोगों को भी जीत के जश्न में डुबो दिया। लोग इस साल होने वाले कई दुखांत घटनाक्रमों को भुला इस जीत की लय में झूम उठे। यह सुखद आश्चर्य ही था कि टीम ने लगातार तीन हार झेलने के बाद टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। सेमीफाइनल में लोग सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम को कमतर आंक रहे थे। सुखद आश्चर्य देखिये कि फाइनल मुकाबले में हरियाणा की उस शैफाली वर्मा ने करिश्माई पारी खेली, जो विश्व कप के शुरू होने से पहले टीम का हिस्सा भी नहीं थी। उसने अपने चयन को तार्किक साबित किया। इसी तरह दीप्ति शर्मा ने भी शानदार खेल का परिचय दिया। निश्चय ही महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत देश की उन लाखों बेटियों के सपनों को नयी ऊंचाइयां देगी, जो अपना आसमान हासिल करना चाहती हैं। निस्संदेह, विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस खेल में टीम दीर्घकालिक वर्चस्व कायम रख सकती है। दरअसल, अब तक महिला क्रिकेट को दोयम दर्जे का माना जाता रहा है। दरअसल, जब से महिला खिलाड़ियों को पुरुष खिलाड़ियों के समान वेतन मिलने लगा और उन्हें आईपीएल-शैली की टी-20 लीग में दमखम दिखाने का मौका मिला, टीम के प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। धीरे-धीरे वे पुरुष क्रिकेट के सितारों की तरह आभा बिखेरने लगी। हालांकि, आगे की राह इतनी भी आसान नहीं है, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल उनके पास इस कामयाबी का जश्न मनाने का मौका है। उल्लेखनीय है कि टीम में कई ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने तमाम आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी। वे तपती पगडंडियों से गुजरने वाली बेटियों के लिये प्रेरणास्रोत हैं। इन खिलाड़ियों ने मैदान से पहले निजी जीवन में बड़ा संघर्ष किया। बेहद जटिल पृष्ठभूमि से आने के बावजूद वे विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनी हैं। उनके साथ अभ्यास मैच खेलने के लिये लड़कियां नहीं होती थी, अतः वे शुरुआती क्रिकेट लड़कों की टीम के साथ खेलती थीं। उनके माता-पिता को समाज की छींटाकशी का भी शिकार होना पड़ता था। मध्यप्रदेश की क्रांति गौड़ ने आर्थिक बदहाली का जीवन जिया और प्रैक्टिस मैच के लिये पैसे की मदद न मिलने पर मां ने गहने तक बेचने पड़े। वक्त बदला है और आज मध्य प्रदेश सरकार ने उसे एक करोड़ का पुरस्कार देने की घोषणा की है। स्पिनर राधा यादव का परिवार मुंबई के कांदिवली में रहता है और उसके पिता सब्जी बेचते रहे हैं। उनकी प्रतिभा पहचानकर क्रिकेटर प्रफुल्ल नाइक ने उसके परिजनों को क्रिकेट खेलने के लिये मनाया। संगरूर जिले की रहने वाली सफल गेंदबाज अमनजोत के, पेशे से कारपेंटर पिता भूपेंदर सिंह ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। उन्होंने अपना कामधंधा दांव पर लगाया। इसी तरह हिमाचल के एक किसान परिवार से आने वाली तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर ने अपने दिवंगत पिता के सपने को पूरा किया। निस्संदेह, इन लड़कियों की कामयाबी न केवल समाज में लड़कियों के प्रति नजरिया बदलेगी।

> “ निस्संदेह, विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस खेल में टीम दीर्घकालिक वर्चस्व कायम रख सकती है। दरअसल, अब तक महिला क्रिकेट को दोयम दर्जे का माना जाता रहा है। दरअसल, जब से महिला खिलाड़ियों को पुरुष खिलाड़ियों के समान वेतन मिलने लगा और उन्हें आईपीएल-शैली की टी-20 लीग में दमखम दिखाने का मौका मिला

विशेष लेख : नई उड़ान, नया क्षितिज- छत्तीसगढ़ में महतारियों के सशक्तिकरण की कहानी

डॉ. दानेश्वरी संभाकर
उप संचालक, जनसंपर्क विभाग
छत्तीसगढ़ सरकार

छत्तीसगढ़ अपने विकास-यात्रा के स्वर्णिम पड़ाव पर है। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनी हैं - राज्य की महिलाएँ, जिन्हें स्नेह व सम्मान से महतारी कहा जाता है। बीते वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने महिला सशक्तिकरण को केवल नीतिगत प्राथमिकता नहीं बनाया, बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की धुरी के रूप में स्थापित किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आज महिलाएँ योजनाओं की लाभार्थी मात्र नहीं, परिवर्तन की वाहक बनकर उभरी हैं। राज्य में महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए सरकार ने विविध योजनाएँ शुरू की हैं।

सबसे उल्लेखनीय महतारी वंदन योजना है, जिसके तहत लगभग 70 लाख महिलाओं को अब तक 12,983 करोड़ रुपए की राशि वितरित की गई है। यह सहायता महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा के साथ परिवार व समाज में निर्णायक भूमिका निभाने की क्षमता भी प्रदान करती है।

दीदी ई-रिक्शा योजना ने 12,000 महिलाओं को रोजगार के नए अवसर दिए। सक्षम योजना के तहत 32,000 महिलाओं को 3 प्रतिशत ब्याज पर 2 लाख रुपए तक व्यवसायिक ऋण दिया गया, जबकि महतारी शक्ति ऋण ने 50,000 महिलाओं को बिना जमानत ऋण प्रदान कर आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना से 1.15 लाख महिलाएँ घर-परिवार के साथ उत्पादन कार्य से जुड़कर सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं।

कोंडागांव की रतो बाई का जीवन कभी नक्सली भय से घिरा था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से उन्हें 1.20 रुपए लाख और मनरेगा से 90 दिन का रोजगार मिला। आज वे पक्के घर में सुरक्षित जीवन जीती हैं और सब्ज़ी विक्रय के माध्यम से जीवन यापन करती हैं। उज्ज्वला, नल-जल जैसी सुविधाएँ उनके जीवन में प्रकाश भर रही हैं। दंतेवाड़ा जिले की गंगादेवी स॥त्र की महिलाएँ आज टाटा मैजिक वाहन का संचालन कर 26,000 रुपए मासिक आय अर्जित कर रही हैं। यह उदाहरण बताता है कि ग्रामीण महिलाएँ अवसर मिलने पर कैसे नए व्यवसायों का संचालन कर सकती हैं।

सरगुजा की श्यामा सिंह ने बिहान योजना के तहत 95,000 रुपए की सहायता से 30 सेंट्रिंग प्लेट से काम शुरू किया। आज उनके पास 152 प्लेट हैं तथा वे 50,000 रुपए प्रतिमाह कमाती हैं। कोरबा की श्रीमती मंझनीन बाई को छ्रस्त्र फंड से स्वास्थ्य केंद्र में नियुक्त होकर उन्हें 9,000 रुपए मासिक मानदेय मिलता है। यह न सिर्फ आर्थिक स्थिरता, बल्कि सामाजिक सम्मान भी देता है।

कभी नक्सली हिंसा से भयभीत बस्तर आज नए परिदृश्य के साथ उभर रहा है। यह इलाका आत्मनिर्भरता, सम्मान और अवसरों की नई पहचान बन गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कहते हैं कि बस्तर का पुनर्निर्माण केवल सड़क या पुल बनाना नहीं, यह वहाँ के हर घर में विश्वास का दीप जलाने का संकल्प है। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 15,000 विशेष आवास स्वीकृत किए, जिनमें से 3,000 बस्तर, सुकमा, कांकेर, बीजापुर और दंतेवाड़ा में बन रहे हैं। अब तक 12,000 से अधिक लोग सुरक्षित आवास पा चुके हैं। छत्तीसगढ़ में महिला स॥त्र की संख्या 2,80,362 है, जिनमें से लगभग 60,000 समूह बस्तर में सक्रिय हैं। वनोपज और हस्तशिल्प आधारित उद्यमों से करोड़ों का कारोबार हो रहा है। लखपति महिला मिशन के अंतर्गत 2,000 महिलाएँ सालाना 1 लाख रुपए से अधिक कमाती हैं। 'जशप्योर' और बस्तर बेंत उत्पाद राष्ट्रीय पहचान पा चुके हैं। महिलाएँ अब रोजगार पाने तक सीमित नहीं, बल्कि रोजगार-दाता भी बन रही हैं।

स्वास्थ्य और सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार की उज्ज्वला योजना के अंतर्गत स्वीकृत 25 लाख नए स्व्व्न कनेक्शन में से 1.59 लाख कनेक्शन छत्तीसगढ़ को मिले, जिससे नियद नेल्लानार ग्रामों की महिलाएं भी लाभान्वित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री साय कहते हैं -स्वच्छ रसोई, स्वस्थ परिवार और सशक्त महिला - यही उज्ज्वला का सार है।

छत्तीसगढ़ के 27 जिलों में सखी वन-स्टॉप सेंटर स्थापित हैं, महिला हेल्पलाइन - 181, डायल - 112, 24'7 कार्यरत हैं। नवाबिहान योजना से कानूनी व परामर्श सहायता दी जा रही है। शुचिता योजना से 3 लाख किशोरियाँ लाभान्वित हो रही हैं। 2,000 स्कूलों में नैपकिन वेंडिंग मशीन लगाई गई है। इन पहलों ने महिलाओं के मन में सुरक्षा और आत्मविश्वास की नई ऊर्जा भरी है। योजनाएँ महिलाओं को तकनीक-आधारित सशक्तिकरण की ओर ले जा रही हैं। ड्रोन दीदी योजना से महिलाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जशप्योर ब्रांड से लगभग 500 महिलाएँ, 10,000 रुपए प्रति माह कमा रही हैं। नवा रायपुर के यूनिटी मॉल में स॥त्र उत्पादों को प्राथमिकता दी जा रही है। ये नारी शक्ति को स्थानीय से राष्ट्रीय बाज़ार तक पहुँचाने का मार्ग तैयार कर रही हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े कहती हैं कि नया छत्तीसगढ़ वह होगा जहाँ भय नहीं, विश्वास होगा, जहाँ महिलाएँ आश्रित नहीं, सशक्त होंगी। आज छत्तीसगढ़ का हर गाँव, हर घर, हर परिवार में बदलाव की अग्नि प्रज्वलित है। जहाँ पहले भय था - वहाँ आज आत्मनिर्भरता है। जहाँ मजबूरी थी- वहाँ आज सम्मान है। छत्तीसगढ़ की महतारियाँ अब परिवर्तन की राह नहीं देख रहीं- वे स्वयं परिवर्तन की दिशा रच रही हैं।

बिहार विधानसभा चुनावों में मुद्दों के जातीय समीकरण और हिंसा हावी रही

अजय दीक्षित

> राजग हो या महागठबंधन दोनों को जाति गत राजनीत का सहारा चाहिए। चिराग पासवान की लोकजनशक्ति, जीतनराम मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा, उपेंद्र कुशवाहा की रेलम,सभी जाति आधारित पार्टियां हैं। दूसरी ओर महागठबंधन के साथ, राजद, वीआइपी, जैसी जातिगत सेनाएं है। केवल असाउद्दीन ओवैसी और जनस्वाराज पार्टी ही कुछ मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ रही है।पूरे चुनाव का आंकलन करे तो यह मालूम होता है कि केवल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ही राष्ट्रीय मुद्दों को फोकस कर रही है। राजद ने यादव मुस्लिम जातियों का ध्रुवीकरण कर दिया है। बिहार में आजादी के बाद से ही जाति गत राजनीत शुरू हो गई थी।

बिहार विधानसभा चुनावों में 1995 से हिंसा , बालूबलियों का मतदान केंद्रों पर कब्जा ,भी शुरू हुआ और इसके जंक लालूप्रसाद यादव थे ।2000 के चुनावों में बिहार में रणवीर सेना, कुश सेना, दलित सेना बन गई थी।उस समय यह होगया कि जिसकी लाठी उसकी भैंस । केंद्र में जब 1999 में अटल बिहारी वाजपेई प्रधानमंत्री बने तब समता पार्टी ने जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में एनडीए बनी।यही से बिहार की परिस्थितियों बदली। नीतीश कुमार केंद्रीय रेल मंत्री बने ।

2005 के चुनावों में बिहार विधानसभा चुनावों में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला।6 माह तक राष्टपति शासन रहा था फिर चुनाव हुए तब नीतीश कुमार की समता पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिला।तब से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री है ।हालांकि 2015,2023 में नीतीश कुमार पलटी मार चुके हैं। लेकिन नीतीश कुमार की छवि सुशासन बाबू की है।20 वर्ष मुख्यमंत्री रहने के बाद भी नीतीश कुमार आज भी बेदाग हैं इनपर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। न ही परिवार बाद का आरोप है।अब उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अच्छी पटती है। भारतीय जनता पार्टी का बिहार में संकट यह है कि वहां कोई स्थानीय नेता इतना प्रभाशाली नहीं है कि वह चुनाव प्रचार की कमान सम्हाल सके ।एक सुशील मोदी थे भी वे गुजरगये।।

इसी लिए प्रचार की बागडोर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्हाल रखी है। अगर विकास की बात करें तो बिहार में सिंचित भूमि,काफी है । लेकिन बाढ़ बिहार का दुःख है, किसी नदी की बाद ऊपरी बिहार को डूबा देता है।2001 में जब से झारखंड अलग हुआ है तब खनिज संपदा भी बिहार के हिस्से से जाती रही है।

यद्यपि बिहार हरा भरा है क्योंकि गंगा,कोसी, ब्रह्मपुत्र जैसी नदिया है लेकिन अभी तक पानी का उपयोग नहीं किया गया है। आवागमन में बिहार में भारत की सबसे अधिक रेल लाइन है क्योंकि बिहार से रेल मंत्री बहुत रहे हैं।सबसे पहले ललित नारायण मिश्र, जगन्नाथ मिश्र, भागवत झा आजाद, जॉर्ज फर्नांडिस, नीतीश कुमार, लालूप्रसाद यादव, विभिन्न सरकारों में रेल मंत्री रहे लेकिन बिहार इस बात के लिए भी बदनाम रहा कि रेल विभाग में अनुशासन नहीं था। यद्यपि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन कायम किया है मगर फिर भी अभी दिल्ली दूर है। बिहार के लोग मुंबई, दिल्ली, नागपुर, अहमदाबाद, सूरत, बडौदा, कोलकाता, अमृतसर में रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं।यह प्रक्रिया 50 वर्षों से जारी है। बिहार विधानसभा चुनावों में हिंसा कोई नयी बात नहीं है। इन चुनावों में भी शुक्रवार के दिन मोकोका विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के दौरानजनस्वाराज पार्टी के सदस्य दुलारचंद की हत्या हो गई जिसमें अनंत सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि अनंत सिंह जेडीयू उम्मीदवार हैं। जंगलराज का अलाम यह था कि गोपाल गंज के डीएम की भीड़ ने पत्थरों से हत्या कर दी थी।

पंजाब के लिए भी हरेक बिहारी की अहमियत

ज्योति मल्होत्रा

> बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के जो भी नतीजे होंगे, उसका असर सबसे सीधे तौर पर पंजाब में महसूस किया जाएगा। क्योंकि पंजाब में बतौर प्रवासी श्रमबल बिहारी लोगों की बहुत बड़ी संख्या रहती है। बिहार विधानसभा के लिए भाजपा के चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कांग्रेस के खिलाफअपनी टिप्पणी में पंजाब का जिक्र किया।

गत सप्ताह की शुरुआत में, बिहार के मुज़फ़्फ़रपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक टिप्पणी में पंजाब में काम करने वाले बिहारी प्रवासियों के लिए हीनता-सूचक शब्द बरतने के लिए कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथ लिया, इसने पंजाब में 30 लाख की विशाल संख्या वाले कार्यबल पर फिर ध्यान खींचा, जबकि इनके बिना पंजाब में आज कोई भी परिवार काम नहीं चला सकता। लेकिन इससे पहले कि आप यह तय कर लें कि पंजाब में बिहार-यूपी की यह प्रवासी आबादी 21वीं सदी के गिरमिटिया, यानी ब्रिटिश राज द्वारा दुनियाभर में गन्ने के खेतों में काम करवाने को ले जाए गए बंधुआ मज़दूरों का आधुनिक रूप है या नहीं, आइए इस तर्क का संदर्भ समझते हैं।

सर्वप्रथम, पीएम मोदी की टिप्पणियां बिहार में बीजेपी की असाधारण पहुंच बनाने का हिस्सा हैं, जहां इसके सहयोगी दल के नीतीश कुमार पिछले 20 सालों से सत्ता पर काबिज हैं। इस अंतिम दौर में, बीजेपी के सभी शीर्ष नेता सियासी रूप से बेहद जागरूक इस राज्य में प्रचार के लिए अवतरित हैं - बीजेपी शासित छोटे से हरियाणा से भी 54 नेता चुनाव प्रचार में हैं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी दो बार जा चुके हैं।

द्वितीय, जैसे बीजेपी ने एक साल पहले हरियाणा में किया था, वह कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वह विपक्ष को बिहार में सत्ता में आने से रोकने के लिए सब कुछ करेगी। बीजेपी जानती है कि महागठबंधन की जीत हुई तो बीजेपी की अजेयता की धारणा टूट जाएगी। साथ ही, यह विजय राहुल गांधी में 2026 में असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में नई ऊर्जा से चुनाव लड़ने का जोश भर देगी और फिर 2027 में पंजाब के लिए भी तैयार कर देगी। यही वजह है कि मुज़फ़्फ़रपुर में नरेंद्र मोदी ने 2022 में तत्कालीन पंजाब कांग्रेस के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा की गई 'यूपी के भैया' वाली टिप्पणी का मुद्दा उछाला। मोदी बखूबी समझते हैं कि कांग्रेस, चाहे कितनी भी कमज़ोर व बंटी हुई हो - आज पंजाब इकाई में मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं - फिर भी वह देश में एकमात्र पार्टी है जो बीजेपी के संभावित विरोधियों को एकजुट कर सकती है। एक बार फिर, चन्नी को अपना बचाव करने को मजबूर होना पड़ा ङ्क उन्होंने कहा कि वह तो सिर्फ दिल्ली के आम आदमी पार्टी नेताओं को निशाना बना रहे थे, जो 2022 में पंजाब में जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहे थे ङ्क लेकिन सच यह है कि यह शब्द, 'भैया', एक तुच्छता-सूचक संबोधन है, जो गिरते पंजाबी आत्म-सम्मान में श्रेष्ठता भाव जगाने की गर्ज से है। कभी दूध और शहद की धरती रहा पंजाब अब लगातार मुश्किलों में घिरता जा रहा, क्योंकि वह एक ही वक्त में कृषि संकट, जो कई दशकों की भीषणतम बाढ़ से और बढ़ गया व करीब नदारद उद्योग जैसी समस्या से जूझ रहा है, जिससे सूबे का स्थान राज्यवार जीडीपी के बरक्स कर्ज के अनुपात में देश में दूसरे नंबर पर है (सिर्फअरुणाचल प्रदेश की हालत इससे पतली है)।

चूंकि प्रकृति को शून्यता पसंद नहीं, इसलिए कनाडा और दूसरे पश्चिमी देशों को पलायन कर रहे पंजाबियों की वजह से पैदा हुआ खालीपन भरने को ङ्क2021 की कनाडा की जनगणना के अनुसार, वहां करीब 10 लाख पंजाबी (कुल आबादी का 2.6 फीसदी) हैं ङ्क सीमांचल, पूर्वांचल, मगध और मिथिला से आए सांवले रंग के 'भैया' लोगों ने उनके द्वारा रिक्त रोजगार मौकों को भर दिया। कहा जाता है कि पंजाब की 30 लाख प्रवासी आबादी में 60 प्रतिशत बिहार और 21 प्रतिशत उत्तर प्रदेश के हैं। मतलब, तीन करोड़ वाले राज्य में आबादी के हिसाब से हर दस पंजाब वासियों में एक प्रवासी है। वे पंजाब में दशकों से रह रहे, उनके बच्चे यहीं पैदा हुए और यहीं स्कूल जाते हैं ङ्क द ट्रिब्यून के पत्रकारों की खबरों के मुताबिक प्रवासी समुदाय के कई बच्चे गुरमुखी में पंजाबी मूल के स्कूली बच्चों की तुलना में बेहतर अंक ले रहे, हालांकि यह साफनहीं कि यह शब्द, 'मूल निवासी', उन पर लागू होता है या नहीं।

आखिरकार, उसी देश में 'मूल निवासी' कौन है, जहां सैद्धांतिक रूप से सभी नागरिक समान हैं? और फिर, महाराष्ट्र में दिया जाने वाला 'धरती पुत्र' वाला तर्क पंजाब पर लागू नहीं होताङ्कमहाराष्ट्र में, 'मराठी मानुस' सिद्धांततः 'बाहरी लोगों' के खिलाफ नौकरी के अपने हक के लिए लड़ रहा है, उनके मामले में ये बाहरी लोग 'दक्षिण भारतीय' हैं, लेकिन पंजाब में काम करने को शायद ही कोई पंजाबी बचा है। तब, बिहार और उत्तर प्रदेश के 'भैया' के लिए पंजाब में मैदान खुला है, जिन्होंने न केवल लगभग कृषि संबंधी क्रियाकलाप पर कब्जा कर लिया, बल्कि घरेलू काम समेत शहरी रोजगार में भी बड़ी घुसपैठ कर ली।

अगर आप उन्हें निकालें,तो काम नहीं चलेगा। ऐसे कई किस्से हैं कि पंजाबी (यानी सिख) ज़मींदारों ने कोविड के बाद बिहार व यूपी के गांवों में बसें भेजीं, और इन 'भैया' लोगों से वापस आने की मिन्नतें कीं। बीते हफ्ते, पंजाब में सतलुज और ब्यास नदियों व अन्य जलस्रोतों किनारे बिहारी त्योहार छठ उत्साह से मनाया गया।

समय चक्र

क्यों निर्बल के सामने,
दिखलाते अवकात?

अहं कभी मत कीजिए,
समय-समय की बात।।
राजा रंक समान हैं, पड़े
समय का चक्र।

अहंकार का अंत तब, काल
दृष्टि जब वक्र।।
पर पीड़ा में आप क्यों, लेते
हो आनंद।

नहीं सही यह लीक है, दिन
जीवन के चंद।।

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल
(रायगढ़/रायपुर छ.ग.)

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएं

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

सद्भावना दौड़ में शामिल हुए स्काउट-गाइड

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र शिक्षा विभाग के तत्वावधान में जिला स्काउट गाइड संघ के द्वारा स्काउट गाइड की राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना दौड़ का सफल आयोजन किया गया। मिडिल स्कूल सेक्टर–1 में मुख्य अतिथि जिला कमिश्नर विजय सिंह पवार ने राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर विद्यार्थियों को आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया। संस्था प्रमुख पंचराम साहू ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता अखंडता के महत्व को समझाया। तत्पश्चात सेक्टर–1 में एक सद्भावना दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें स्काउट गाइड के साथ विद्यार्थी एवं डीओसी सत्यनारायण साहू, डॉक्टर शीतल चंद्र शर्मा, कीर्ति लता देशमुख शामिल हुए।

स्वास्थ्य अमले ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

भिलाई। राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई–3 में स्वास्थ्य अमले को बी ई ईटीओ सैय्यद असलम ने शपथ दिलाई। शपथ के दौरान सभी ने समवेत स्वर में कहा कि–राष्ट्र की अखंडता संप्रभुता और एकता के प्रति हमेशा अपने कर्तव्यों को पूरा करते हुए सभी लोगों धर्मों, जातियों व समुदाय के बीच एकता का प्रेरणा स्त्रोत बनेंगे। राष्ट्र की उन्नति प्रगति और विकास में अपना योगदान देंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल के यूनिटी फॉर नेशन को सच्चे अर्थों को हर व्यक्ति पूरा–पूरा निर्वहन करेंगे जिससे प्रत्येक व्यक्ति में देश के प्रति सच्चा स्नेह प्रेम और आस्था विकसित करेंगे। कार्यक्रम में स्टाफ नर्स सविता सोंधिया, आकांक्षा पोलेश, पुष्पा साहू,फार्मासिस्ट स्मिता बागड़े तृप्ति चंद्राकर लैब टेक्नीशियन आलिया खातून, भास्कर कोटराने मेनका और चम्पा कली सोनी सहित हितग्राही उपस्थित थे।

9.52 करोड़ से 9 तालाब, 6 मुक्तिधाम का सौंदर्यीकरण होगा

दुर्ग। निगम क्षेत्र की सभी 60 वार्डों की खराब सड़कें रिपेयर की जाएगी। साथ ही 9 तालाब और 6 मुक्तिधाम में सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। निगम ने कुल 9.52 करोड़ का प्रस्ताव भेज दिया है। वहां से वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू किए जाएंगे। इनमें हरनाबांधा तालाब, शक्ति नगर तालाब, कैलाश नगर स्टेशनपारा, पोलसाय पारा तालाब, बोरसी शीतला तालाब, बघेरा डोंगिया तालाब, पुलगांव शीतला तालाब, बांधा तालाब, उरला तालाब, कातुलबोर्ड शीतला तालाब शामिल है। साथ ही करहीडीह मुक्तिधाम, पोटियाकला मुक्तिधाम, बोरसीभाठा रेलवे क्रासिंग मुक्तिधाम, शिवनाथ नदी मुक्तिधाम, बघेरा मुक्तिधाम और हरनाबांधा मुक्तिधाम में सुविधाओं का विस्तार होगा। 6 मुक्तिधाम के अपग्रेडेशन पर कुल 2.40 करोड़ और तालाबों के सौंदर्यीकरण पर 7.12 करोड़ खर्च होंगे।

11 हितग्राहियों को लॉटरी से मिला प्रदानमंत्री आवास

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 11 हितग्राहियों को लॉटरी के माध्यम से मकान आवंटित किया गया। यह आयोजन निगम के मुख्य सभागार में हुआ। लॉटरी में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों को प्राथमिकता के आधार पर भूतल के आवासों और सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को भूतल से निर्मित आवासों के साथ प्रथम, द्वितीय तृतीय तल के आवास दिए गए। निगम सभापति गिरवर बंटी साहू, पार्षद सत्यादेवी जायसवाल, आयुक्त राजीव पांडेय, अधीक्षण अभियंता अजीत तिग्गा ने हितग्राहियों को आबंटन की कॉपी सौंपी। लॉटरी से वंदे मातरम कुरूद, भिलाई से एक हितग्राही और सूर्या विहार के पीछे खम्हरिया से 10 हितग्राहियों को आवास दिया गया। ईई कुलदीप गुप्ता, आवास प्रभारी विद्याधर देवांगन, नम्रता सिंह ठाकुर, उस्थित रहे।

स्थापना दिवस पर बीएसपी ने दिया हैंड्स ओनली सीपीआर का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में हैंड-ओनली सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामान्य नागरिकों में हृदयगति रुकने की आपात स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान करने की जागरूकता बढ़ाना एवं जीवन रक्षक प्राथमिक उपचार (सीपीआर) के व्यावहारिक कौशल का प्रशिक्षण देना था।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी के मार्गदर्शन में तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर एवं डॉ. उदय कुमार के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को हैंड-ओनली सीपीआर की प्रक्रिया का

प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराया गया तथा उन्हें व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि हृदयगति रुकने की आकस्मिक स्थिति में त्वरित पहचान, तत्काल सहायता के लिए बुलाना तथा निरंतर छाती पर दबाव देना, जीवनरक्षक के रूप में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होता है।

ओपीडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नागरिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और सीपीआर की विधि सीखकर जान बचाने का संकल्प लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने सीपीआर की आवश्यकता, विधि और महत्व को व्यावहारिक रूप से समझा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में एनेस्थीसिया विभाग की टीम तथा क्वालिटी मैनेजमेंट विभाग की टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। अधिक से अधिक नागरिकों को इस जीवनरक्षक तकनीक से लाभान्वित करने के लिए प्रतिमाह हैंड-ओनली सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन का निर्णय लिया गया।

रिसाली निगम में भी होगी टैक्स को लेकर सख्ती, वार्डों में लगेगा शिविर

कल पांच नवम्बर को वार्ड 38, 39 एवं 40 में लगेगा शिविर

12 नवम्बर को वार्ड 35, 36 एवं 37 का लगेगा नंबर

19 नवम्बर को वार्ड 32, 33 एवं 34 में लगेगा शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली अब टैक्स वसूली करने वार्डो तक पहुंचेगा कर्मचारी अलग-अलग वार्डो में शिविर लगायेंगे। आयुक्त मोनिका वर्मा ने शिविर पुरैना के तीनों वार्डो में लगा कर शुरूआत करने के निर्देश दिए है।

उल्लेखनीय है कि टैक्स वसूली और निगम को अपना आय बढ़ाने शासन लगातार दिशा निर्देश दे रही है। इसी परिपेक्ष्य में रिसाली निगम वसूली लक्ष्य को पूरा करने वार्डो में शिविर लगा रही है। इस माह के प्रथम बुधवार को वार्ड 38 स्टोर पारा पुरैना के शिव मंदिर मंच, वार्ड 39 एनएसपीसीएल पुरैना के जगदम्बा चैक और वार्ड 40 पुरैना बस्ती के सामुदायिक भवन में शिविर लगाया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से लेकर शाम 04 बजे तक लगाया जाएगा।

इसी तरह 12 नम्बर को वार्ड 35 डुण्डेरा पश्चिम सुभाष चैक, वार्ड 36 डुण्डेरा पूर्व दशहरा मैदान मंच, वार्ड 37 जोरातराई बागपारा मंच, 19 नम्बर को वार्ड 32 नेवई भाठा के दुर्गा मंच मैदान, वार्ड 33 नेवई बस्ती पूर्व के सरकारी स्कूल के सामने, वार्ड 34 नेवई बस्ती दशहरा मैदान मंच, 26 नम्बर को वार्ड 13 टंकी मरोदा शीतला कल्याणी मंदिर, वार्ड 14 शीतला कल्याणी मंदिर मरोदा, वार्ड 15 मौहारी भाठा हमर क्लीनीक के सामने, 03 दिसम्बर को वार्ड 16 बीआरपी कालोनी पार्षद ऑफिस के पास, वार्ड 17 शिव पारा स्टेशन मरोदा शीतला मंदिर तालाब के पास, वार्ड 18 एचएससीएल कालोनी दुर्गा मंच के पास, 10 दिसम्बर वार्ड 19 विजय चैक पटेल पारा मंच के पास, वार्ड 20 शंकर पारा में चैपाटी के पास, वार्ड 21 सूर्या नगर स्टेशन मरोदा में पार्षद कार्यालय के पास, 17 दिसम्बर को वार्ड 01 तालपुरी में क्लब हाऊस बी ब्लाक, वार्ड 02 रूआबांधा उत्तर दशहरा मैदान, वार्ड 03 रूआबांधा दक्षिण यादव चैक वार्ड कार्यालय में, वार्ड 04 रूआबांधा पूर्व उप स्वास्थ्य केन्द्र के पास, 24 दिसम्बर को वार्ड 22 मैत्रीकुंज में दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, वार्ड 23 प्रगतिनगर में परमेश्वरी भवन, वार्ड 24 आजाद मार्केट में क्रास स्ट्रीट जैन भवन में शिविर लगाया जाएगा, 31 दिसम्बर को वार्ड 25 आशीष नगर एवं वार्ड 26 अवधपूरी रिसाली के टंकी ऑफिस कार्यालय में शिवर लगाया जाएगा वहीं वार्ड 27 मैत्रीनगर रिसाली का शिविर हनुमान मंदिर मैत्रीनगर में लगाया जाएगा।

शिविर का समापन 07 जनवरी 2026 को होगा। इस दिन शिविर वार्ड 28 सक्तिविहार स्थित हनुमान मंदिर वार्ड 29 लक्ष्मी नगर दुर्गा मंच रिसाली भाठा, वार्ड 30 इस्पात नगर रिसाली गणेश पंडाल, वार्ड 31 शहीद किरण देशमुख वार्ड शिविर सब्जी मार्केट में लगाया जाएगा।

टैक्स जमा नहीं करने पर कटेगा नल कनेक्शन

आयुक्त मोनिका वर्मा ने शिविर में नए टैक्स जमा करने वालों के लिए आई. डी. बनाने के निर्देश दिए है। वहीं लम्बे समय से टैक्स जमा नहीं करने वालें के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए है। आयुक्त ने टैक्स जमा नहीं करने वाले के खिलाफनल विच्छेदन की कार्यवाही करने कहा है।

पीएम मोदी की तालियों से कलाकारों में बढ़ा उत्साह

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के आयोजनों की श्रृंखला में गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यहां 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' स्थल पर गणतंत्र दिवस परेड की तर्ज पर झांकियां निकाली गई। इनमें छत्तीसगढ़ की झांकी का नेतृत्व प्रख्यात लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय अपने दल के साथ कर रहे थे।

31 अक्टूबर को निकाली गई झांकी के साक्षी बनें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ियां कलाकारों का तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया। नर्तक दल के साथ आगे-आगे चल रहे रिखी क्षत्रिय का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने करतल ध्वनि के साथ कलाकारों को सराहा, इससे सभी बेहद हर्षित हैं। गुजरात में यादगार प्रस्तुति देकर छत्तीसगढ़ का दल लौट आया है।

उल्लेखनीय है कि लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय और उनके समूह ने वहां छत्तीसगढ़-बस्तर की झांकी संग गौर नृत्य की प्रस्तुति दी थी। रिखी क्षत्रिय के साथ जाने वाले अन्य कलाकारों में प्रदीप ठाकुर बालोद, भीमेश सतनामी बेमेतरा, सुनील कुमार बालोद, पारस रजक कैंप दो भिलाई, वेद प्रकाश बालोद, प्रियंका साहू कुम्हारी दुर्ग, हेमा पाटन, तुलसी ध्रुव भिलाई चरोदा, लीना ध्रुव भिलाई चरोदा, नेहा देवांगन कैंप-2 और सीमा विश्वकर्मा कलंगपुर बालोद शामिल हैं।

कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने ली शपथ

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रंजना श्रीवास्तव ने सरदार वल्लभभाई पटेल के एकता और राष्ट्र एकीकरण के विचारों और भावनाओं पर प्रकाश डाला और कहा हमारे देश की एकता, अखण्डता और सुरक्षा उनके दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से ही संभव हो सकी।

समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्राओं ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा की रक्षा के लिए स्वयं को समर्पित करने की शपथ ली। इस अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अमिता सहगल, डॉ अनिल जैन, डॉ ऋतु दुबे, वंदना बंजारे एवं बड़ी संख्या में छात्राऐं उपस्थित रहीं।

बीएसपी ने राजहरा माइंस अस्पताल में लगाया व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस चिकित्सालय में 01 नवम्बर 2025 को नि:शुल्क व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस का उद्देश्य चिकित्सकीय परामर्श के साथ, स्थानीय समुदाय की चिकित्सा संबंधी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विशेषज्ञों की एक विस्तृत श्रृंखला को सुनिश्चित करना है।

शिविर में 570 से अधिक परामर्श प्रदान किए गए, विभिन्न नैदानिक जांच और उपचार के साथ 12 इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन तथा 10 प्लास्टर लगाए गए। ऑर्थोपेडिक सर्जन द्वारा एक रोगी पर आई एंड डी की चिकित्सकीय प्रक्रिया सफलतापूर्वक की गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर ने टीम का नेतृत्व किया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. चंदन दास (हृदय), डॉ. पी. मर्सी (चर्म), डॉ. इमैनुएल मैसी (अस्थि), डॉ. अमित अग्रवाल (पेन मैनेजमेंट), डॉ. अश्विन जायसवाल (ईएनटी), डॉ. कौशिक किशोर (शिशु), डॉ. प्रभदीप कौर (प्रसूति एवं स्त्री), डॉ. राजेश्वर राव (सर्जरी), डॉ. सुलभ साहू (नेत्र), सुषमा रोकड़े (जूनियर मैनेजर), जया भास्कर (फिजियो), डीएनबी डॉ. रेहान (अस्थि), डीएनबी डॉ. सुनील सिसोदिया (मेडिसिन), डीएनबी डॉ. श्रद्धा (ओ एंड जी), डीएनबी डॉ. सृष्टि (नेत्र रोग), डीएनबी डॉ. अग्नि सिंह (ईएनटी) तथा श्री कलोल (जूनियर एमटी) आदि उपस्थित थे।

नेहरू नगर की चार वाटिकाओं की सुध लेगा नगर निगम

आयुक्त ने किया निरीक्षण, टूटे मिले झूले, जंग खा रही हैं लोहे की बेंच

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नेहरू नगर मुख्य सड़क के किनारे सालों पहले बनाए गए उद्यान उजाड़ हो चुके हैं। अटल परिसर भी बनाया जा रहा है, लेकिन निर्माण अधूरा है। आयुक्त राजीव पांडेय ने सोमवार को इसका निरीक्षण किया और अफसरों को जल्द काम पूरा करने निर्देश दिए।

आयुक्त नेहरू नगर के राशि उद्यान, बाल उद्यान पहुंचे, जहां देखा कि बच्चों के लिए लगे झूले टूटे हुए हैं। बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई है। अन्य खेल सामग्री भी टूटी है। इस पर आयुक्त ने नाराजगी जताई और निर्देश दिया कि उद्यान को फिर से संवारा जाए। यहां बच्चों के लिए जरूरी खेल सामाग्री लगाई जाए। साथ ही यहां बने तारामंडल का भी निरीक्षण किया।

इसके बाद आयुक्त ने नेहरू नगर क्षेत्र

के रोड-नाली, सफाई, सीवरेज लाइन, सड़कों की सफाई का भी जायजा लिया। शिवाजी चौक के पास नाली पर कुछ दुकानदारों ने कब्जा कर रखा है, जिससे ठीक से सफाई नहीं हो पा रही है। रोड पर सीवरेज का पानी बह रहा था, जिसे तत्काल सफाई कराने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया।

साथ ही सीवरेज चेंबर का टूटे ढक्कन को बनवाने कहा। अफसरों ने बताया कि नेहरू नगर में चार उद्यान एक साथ हैं, जो उजाड़ हो चुके हैं।

इसके मेटेनेंस के लिए निगम रूचि की अभिव्यक्ति के तहत किसी एजेंसी को ठेका देगा। प्रियदर्शनी परिसर रेलवे ट्रैक के किनारे रोड को भी जल्द शुरू करने निर्देश दिए गए हैं।

इस अवसर पर जोन अध्यक्ष अजय राजपूत, इंजीनियर बसंत साहू, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, एफएल साहू, रीमा जामुलकर, सुनील जोशी, आदि मौजूद रहे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

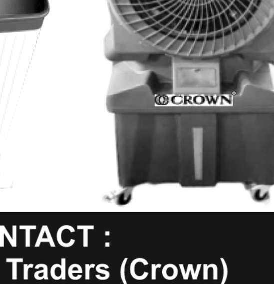

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

एसईसीएल में आउटसोर्सिंग भर्ती का विरोध, प्रदर्शन

कोरबा। एसईसीएल में जमीन अधिग्रहण के बाद भी स्थानीय भू-विस्थापितों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है, जबकि बाहरी जिलों और राज्यों से आउटसोर्सिंग के माध्यम से लगातार भर्ती की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ ने 3 नवंबर को कुसमुंडा क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर प्रबंधन से जवाब मांगा। किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने कहा कि एसईसीएल प्रबंधन आउटसोर्सिंग कंपनियों के साथ मिलकर रोजगार को बेचने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कुसमुंडा के बाद गेवरा क्षेत्र में भी विरोध की तैयारी की जा रही है, जब तक स्थानीय प्रभावितों को रोजगार में प्राथमिकता नहीं दी जाती, आंदोलन जारी रहेगा।

श्रमिकों के लिए मोबाइल कैंप का आयोजन 4 से 17 नवम्बर तक

महासमुंद। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले में संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीयन नवीनीकरण और योजनाओं के आवेदन एवं निराकरण के लिए मोबाइल कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इन कैंपों का आयोजन विकासखंडवार अलग अलग तिथियों पर किया जाएगा। पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर एवं असंगठित कर्मकार के पंजीयन हेतु आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर एवं आय प्रमाण पत्र साथ लाएं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, सरपंच एवं सचिव को निर्देशित किया गया है कि वे ग्राम पंचायतों में मुनादी कराएं, ताकि सभी श्रमिकों को इस कैंप की जानकारी दी जा सके।

अब धरणगांव में भी रुकेगी पुरी-उधना-पुरी एक्सप्रेस

रायपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 08471/08472 पुरी-उधना-पुरी स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन का 02 मिनट का ठहराव पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के धरणगाँव स्टेशन में दिया गया है। गाड़ी संख्या 08471 पुरी-उधना स्पेशल एक्सप्रेस धरणगाँव रेलवे स्टेशन में दो मिनट ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी धरणगाँव स्टेशन 09.50 बजे पहुंचेगी तथा 09.52 बजे रवाना होगी। उधना से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 08472 उधना-पुरी स्पेशल एक्सप्रेस धरणगाँव रेलवे स्टेशन में दो मिनट ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी धरणगाँव स्टेशन 20.45 बजे पहुंचेगी तथा 20.47 बजे रवाना होगी।

प्राचीन चतुर्भुजी मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा पर लगेगा मेला

धमधा। शिवनाथ तट पर स्थित बारहवीं शताब्दी के प्राचीन चतुर्भुजी मंदिर में इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 5 नवम्बर को वार्षिक मेले का भव्य आयोजन किया गया है। धमधा से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह ऐतिहासिक मंदिर अपनी अनोखी स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है। सोलह खण्डों से निर्मित इस मंदिर में भगवान विष्णु के बारह अवतारों का सुंदर चित्रण किया गया है। मान्यता है कि पूर्णिमा के दिन शिवनाथ नदी में स्नान कर चतुर्भुजी भगवान की पूजा-अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मंदिर के बारे में बताया जाता है कि इसका निर्माण धमधा के गोंड़ राजा ने कराया था। मंदिर की मूर्ति काले पत्थरों से निर्मित स्वयंभू प्रतिमा है, जिसके समीप एक प्राचीन बावली स्थित है। स्थानीय जनश्रुति के अनुसार बावली के नीचे एक गुप्त सुरंग है, जिससे होकर राजा शिकार के लिए जाया करता था। मंदिर के निकट महालक्ष्मी के हाथ की आकृति भी विद्यमान है, जिसके पूजन से श्रद्धालुओं को धन-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

अमेरिका में जीवंत हो रही भारतीय संस्कृति, छत्तीसगढ़ की भी भागीदारी

लगभग सभी प्रमुख शहरों में दिख रहा उत्साह और उमंग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अमेरिका का भारतीय समुदाय इन दिनों हर शहर में अपनी भारतीय संस्कृति को जीवंत रखते हुए दीपावली का जश्न मना रहा है। इन इसमें भिलाई-दुर्ग समेत छत्तीसगढ़ के लोगों की सक्रिय भागीदारी है। इन समारोहों में वहां के मेयर, मंत्रीगण और दूसरे प्रमुख लोग भी शामिल हो रहे हैं।

बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर द्वारा कई स्थानीय सांस्कृतिक और आस्था-आधारित संगठनों के सहयोग से यह कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इनमें हिंदी-यूएसए सेंट लुइस, सेंट लुइस का हिंदू मंदिर, सेंट लुइस का जैन संघ, आर्ट ऑफ लिविंग, कन्नड़ संघ, ब्रह्माकुमारी, सेंट लुईस सिटी मेयर का कार्यालय, ब्रिजटन सिटी - मेयर का कार्यालय, सेंट लुईस काउंटी और सेंट लुइस भारतीय सांस्कृतिक संघ की विशेष भागीदारी है। हिंदी-यूएसए सेंट लुइस का प्रतिनिधित्व भिलाई निवासी मयंक-डा. अंशु जैन दंपति व उनकी टीम कर रही है।

आयोजनों की कड़ी में सेंट लुइस शहर की मेयर कारा स्पेंसर के कार्यालय में एक समारोह हुआ। जहां मेयर कारा स्पेंसर ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि सेंट

लुइस की ताकत उसकी एकता में निहित है, और दिवाली - रोशनी का त्योहार - बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की जीत का सुंदर प्रतीक है।

भिलाई निवासी मयंक-डा. अंशु जैन दंपति ने बताया कि मेयर कार्यालय को पारंपरिक दिवाली सजावट - जगमगाते दीयों, रंग-बिरंगी रंगोली और फूलों की सजावट से सजाया गया था, जिसने हॉल को उत्सवी माहौल से भर दिया। समारोह में कथक और भरतनाट्यम नृत्य शैलियों का शानदार प्रदर्शन हुआ और दर्शकों ने स्वादिष्ट भारतीय व्यंजनों का भी आनंद लिया।

इसी तरह अमेरिकी राज्य मिजूरी की राजधानी जेफरसन सिटी के गवर्नर के ऑफिस बिल्डिंग में भी भारतीय समुदाय ने शानदार ढंग से दिवाली मनाई।

यहां स्टेट ट्रेजरर (वित्त मंत्री) विवेक मालिक खास तौर पर भारतीय समुदाय के साथ इस समारोह में शामिल हुए।

यहां गौरतलब है कि रिपब्लिकन पार्टी से हाल ही में जीत हासिल करने वाले विवेक यहां किसी भी राज्य में वित्त मंत्री के पद तक पहुंचने वाले भारतीय-अमेरिकन हैं। इसी तरह वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस में भी भारतीय समुदाय ने दिवाली मनाई। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी पिछले दिनों दीवाली मनाई है।

नियद नेल्लानार का विस्तार ; नक्सल प्रभावित इलाकों के लिए बदली नीति

केन्द्रीय गृहमंत्री के निर्देश पर बढ़ाया गया क्षेत्रफल, सुरक्षा कैंप के 10 किलोमीटर परिधि में होगा विकास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा, नियद नेल्लानार योजना का क्षेत्रफल अब 10 किलोमीटर तक बढ़ा दिया गया है। साथ ही उन्होंने प्रदेश में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया का स्वागत किया और विपक्ष को अवसरवादी बताते हुए कहा, उनकी बातों में कोई दम नहीं है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मीडिया से बातचीत के दौरान नियद नेल्लानार और प्रदेश में भर में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बड़ी बात कही है। नियद नेल्लानार योजना का क्षेत्रफल अब बढ़ा दिया गया है। सुरक्षा कैंप से अब सिर्फ 5 किलोमीटर नहीं बल्कि 10 किलोमीटर तक के क्षेत्र का विकास होगा।

इसके साथ ही उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा, नक्सलवाद खत्म कर देना बड़ी बात नहीं है। विशेष गहन पुनरीक्ष यानी एसआईआर पर चर्चा करते हुए कहा, छत्तीसगढ़ में हम एसआईआर का स्वागत करते हैं। विपक्ष पर सीधे निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, विपक्ष केवल अवसरवादी बात करती है और उनकी बातों में कोई दम नहीं है।

दरअसल, बस्तर में नियद नेल्लानार योजना का क्षेत्रफल बढ़ा दिया गया है। इस दौरान मीडिया से खास बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह ने नियद नेल्लानार का क्षेत्रफल बढ़ाया है। अब सुरक्षा कैंप से 10 किलोमीटर तक के क्षेत्र में विकास होगा। सुरक्षा कैंप के कारण 327 गांव आबाद हुए हैं। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को इन तक पहुंचाया गया है। इन क्षेत्रों में विकास और योजनाओं की पहचान जरूरी है ताकि यहां के लोग फिर से नक्सलवाद की ओर न आएं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को खत्म कर देना बड़ी बात नहीं है।

छग में एसआईआर का स्वागत करते हैं

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची का एसआईआर अर्थात स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन शुरू हो चुका है। इस पर सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हम एसआईआर का स्वागत करते हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल अवसरवादी बात करती है और उनकी बातों में कोई दम नहीं है।

गणना पत्रक लेकर 4 दिसंबर तक घर-घर जाएंगी टीमें

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची की एसआईआर जारी हो चुकी है। कल से 4 दिसंबर तक एसआईआर टीम घर-घर जाएगी। छग में कुल 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार मतदाता हैं, जिनसे गणना पत्रक भराए जाएंगे। इसके साथ ही 38 हजार 338 राजनीतिक पार्टियों के एजेंट हैं। इन सभी एजेंटों की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन ट्रेनिंग भी शुरू कर दी गई है। 9 दिसंबर से 8 जनवरी तक सभी की आपत्तियां ली जाएंगी। 7 फरवरी को मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

मार्कफेड ने धान खरीदी के लिए शुरू की तैयारी

2500 से अधिक केन्द्रों में की जाएगी खरीदी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी उत्सव के लिए सभी तैयारियां तेज हो गई हैं। मार्कफेड को नोडल एजेंसी बनाया गया है, राज्य शासन द्वारा एग्रीटेक पोर्टल की अंतिम तिथि नहीं बढ़ाने के कारण किसान परेशान हैं। धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए 35 हजार करोड़ खर्च किए जाएंगे।

राज्य शासन के खाद्य विभाग और सहकारिता विभाग द्वारा इस समय धान खरीदी के लिए सभी तैयारियां शुरू हो गई है। राज्य में 16 नवंबर से धान खरीदी की जाएगी। राज्य शासन के मार्कफेड ने 35 हजार करोड़ का ऋण लिया है। करीब 25 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है। अभी भी हजारों कृषकों का पंजीयन नहीं हो पाया है। इसके चलते किसान परेशान हैं। राजस्व विभाग विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभी इस संबंध में कोई फैसला नहीं हुआ है। राज्य में धान खरीदी के लिए 2500 से अधिक धान खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। 25 लाख से अधिक किसानों को 6 सहकारी बैंक रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बस्तर, अम्बिकापुर के बैंकों के माध्यम से त्वरित भुगतान किया जाएगा।

राज्य में धान खरीदी के पश्चात धान परिवहन के लिए टैंडर नोटिस जारी कर दी गई है। हमालों की भर्ती की जाएगी, लेकिन राज्य सहकारी कर्मचारी के आह्वान पर कर्मचारी हड़ताल पर जाने की चेतावनी दे रहें हैं। जिसके चलते धान खरीदी प्रभावित होने की संभावना है, राज्य में वर्षा होने के कारण इस बार धान की कटाई में विलंब हो रहा है। अगले महिने कटाई में तेजी आएगी। धान खरीदी 15 जनवरी 2026 तक की जाएगी।

जिला इकाइयों में भी स्थापित होंगी कैट ट्रांसपोर्ट, मुद्दों पर की गई चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छ.ग. इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, छ.ग. इकाई के अध्यक्ष परमानंद जैन, महामंत्री सुरेन्द्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कैट की सभी जिला इकाईयों में कैट ट्रांसपोर्ट का गठन किया जायेगा।

उन्होंने आगे कहा कि विगत दिनों छत्तीसगढ़ शासन के जीएसटी आयुक्त पुष्पेंद्र कुमार मीणा से सौजन्य मुलाकात कर ई-वे बिल नियमों में आवश्यक एवं व्यावहारिक सुधारों की माँग को लेकर पत्र सौंपा गया था। पत्र में में ईज ऑफ डुइंग बिजनेस की भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों की ओर से दो प्रमुख माँगें रखी गई है।

1. जिले के भीतर परिवहन पर ई-वे बिल से पूर्ण छूट।
2. आवश्यक वस्तुओं खाद्य सामग्री, चिकित्सा उपकरण, कृषि निवेश व उपकरण आदि पर ई-वे बिल से पूर्ण छूट।

कैट ट्रांसपोर्ट के प्रदेश अध्यक्ष नवीन शर्मा ने बताया कि प्रदेश में कैट ट्रांसपोर्ट इकाई का विस्तार किया जायेगा। शहर चारों ओर स्थित ट्रांसपोटर्स को कैट से जोड़ा जायेगा। ट्रांसपोर्ट संबधित समस्याओं और निराकरण पर विस्तृत चर्चा किया जायेगा। शासन से पत्राचार कर समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। कैट ट्रांसपोर्ट जो कि ट्रांसपोटर्स और शासन के बीच सेतु का कार्य करेगी। जिससे कि प्रदेश के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को राहत मिलेगी।

मिटिंग में कैट एवं कैट ट्रांसपोर्ट के पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रशासन ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास में तेजी लाने के निर्देश दिए

पात्र हितग्राहियों को सुनिश्चित हो योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने सोमवार को आत्मसर्मित नक्सलियों एवं नक्सली हिंसा से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में एसपी किरण गंगाराम चव्हाण, सीईओ जिला पंचायत मुकुन्द ठाकुर एवं अपर कलेक्टर गजेंद्र सिंह ठाकुर उपस्थित थे।

कलेक्टर ध्रुव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों के शेष लंबित प्रकरणों को शीघ्रता से पूर्ण कर पात्र हितग्राहियों को पुनर्वास योजनाओं का लाभ प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर आत्मसमर्पित माओवादियों को प्राथमिकता से आवास योजना का लाभ दिया जाए।

उन्होंने आगे कहा कि गंभीर नक्सल घटनाओं में प्रभावित लोगों की पहचान कर उन्हें भी शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। पुनर्वास केंद्रों में

रह रहे आत्मसमर्पित नक्सलियों को आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य, भोजन एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जाएं।

कलेक्टर ध्रुव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर लगाकर आधार, वोटर आईडी, बैंक खाता खोलने जैसी आवश्यक दस्तावेज पूरी की जाएं, जिससे सभी हितग्राही डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से योजनाओं की राशि प्राप्त कर सकें।

उन्होंने कहा कि केंद्रों के संचालन में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ध्रुव ने कहा कि सभी संबंधित विभाग समन्वय स्थापित कर आत्मसर्मित एवं नक्सल पीड़ित परिवारों को शीघ्र लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य करें। एसपी किरण गंगाराम चव्हाण ने भी आश्वासन दिया कि पुलिस प्रशासन पुनर्वास कार्यों में हर संभव सहयोग करेगा।

बैठक में नक्सली हिंसा में घायल आम नागरिकों को आर्थिक सहायता, आत्म समर्पित नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि स्वीकृति। नक्सल पीड़ित परिवारों के आश्रितों को शासकीय नौकरी प्रदान करने के प्रकरणों की समीक्षा की जाए। नक्सली हिंसा में मारे गए एवं घायल नागरिकों की संख्या और प्रदत्त सहायता की जानकारी पर विस्तृत समीक्षा की गई।

नेताओं के कटआउट को पशु ट्राली में ढोया, 3 अधिकारियों को नोटिस

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती पर आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम से पहले कोरबा नगर निगम में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और श्रम मंत्री समेत राज्य के प्रमुख नेताओं के कटआउट को पशु ट्राली में ले जाने का मामला सामने आने के बाद निगम आयुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए तीन अधिकारियों से 48 घंटे में जवाब मांगा है।

जानकारी के अनुसार, ओपन थिएटर में 2 से 4 नवंबर तक राज्योत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी स्थल पर नेताओं के कटआउट लगाने का जिम्मा निगम के उप अभियंता अश्विनी दास को दिया गया था। वहीं, स्वच्छता निरीक्षक रविंद्र थवाईत पशु वाहन (काऊ कैचर) के प्रभारी हैं और उप अभियंता अभय मिंज निगम के वाहन शाखा की मॉनिटरिंग देखते हैं। गौरतलब है कि 11 सितंबर 2025 को भी इसी तरह नेताओं के कटआउट को पशु ट्राली में ढोया गया था। तब निगम प्रशासन ने चेतावनी दी थी।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने राज्योत्सव में देखी शिल्पकला की प्रदर्शनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव में प्रदेश के शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशभर से आए नागरिकों का अभिवादन किया और राज्योत्सव की शुभकामनाएं दी।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और केबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा के साथ शासन की योजनाओं का प्रचारित करने विभिन्न विभागों एवं स्व-सहायता समूहों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का निरीक्षण किया।

उन्होंने हस्तशिल्प, हथकरघा, कृषि उत्पाद, और स्थानीय नवाचारों के प्रदर्शनों का अवलोकन कर सराहना की। राज्योत्सव

में हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा प्रदर्शित स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल में पहुंचकर सुदूर अंचलों से आए कारीगरों से बात की और उनके परिश्रम एवं सृजनशीलता की प्रशंसा की।

गजेन्द्र ने कहा कि स्वदेशी उत्पाद न केवल हमारे परंपरागत कौशल और संस्कृति के प्रतीक हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण की आधारशिला भी हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्पी और कारीगर देश विदेश तक अपने उत्पादों को पहुंचा रहे हैं। इस कार्य में सरकार का भी सहयोग मिल रहा है। बस्तर की शिल्पकला की तो पूरे विश्व में मांग है। साथ ही छत्तीसगढ़ में निर्मित वस्त्रों की भी मांग लगातार देश भर में बढ़ रही है।

चेम्बर प्रदेश ने विस अध्यक्ष को दिया शपथ ग्रहण समारोह का न्यौता

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में चेम्बर प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से उनके निवास में भेंट कर राज्य स्थापना दिवस एवं नवीन विधानसभा भवन के लोकार्पण की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। चेम्बर प्रतिनिधि मंडल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज दुर्ग इकाई के आगामी शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने सहर्ष किया और सफल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं दी।

छात्राओ ने एड्स जागरूकता पर लिखा निबंध

भिलाई-3। डॉ. खूबचंद बघेल शासकीय महाविद्यालय भिलाई-3 में रेड रिबन क्लब और एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में एड्स जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन इस दौरान निबंध और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। एड्स जागरुकता रैली भी निकाली। निबंध में प्रथम योगिता बार्ले बीए तृतीय सेमेस्टर, द्वितीय धनेश्वरी बीएससी तृतीय वर्ष की रही।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

14 साल से इंडस्ट्री से गायब सेलिना जेटली, बचपन में झेला उत्पीड़न अब क्यों आई चर्चाओं में?

पिछले 14 साल बॉलीवुड से नदारद हुईं अभिनेत्री सेलिना जेटली इन दिनों चर्चाओं में है। इस बार उनके सुर्खियां बटोरने की वजह कोई फिल्म या प्रोफेशनल लाइफ नहीं बल्कि निजी जिंदगी है। दरअसल साल 2024 से सेलिना जेटली के भाई और रिटायर मेजर विक्रांत कुमार जेटली यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में हिरासत में हैं। इस मामले को लेकर एक्ट्रेस ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था। इससे पहले कि हम पूरा मामला जाने पहले जान लेते हैं कि सेलिना क्यों अभिनय से दूर चली गईं।

मिस इंडिया का ताज हासिल करने के बाद सेलिना ने साल 2003 की फिल्म 'जानशीन' से बॉलीवुड में एंट्री की। इस मूवी में उनके अपोजिट फरदीन खान थे। फिल्म पर्दे पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई लेकिन इसके गानों को लोगों ने पसंद किया। इसके बाद सेलिना कई फिल्मों में नजर आईं लेकिन अभिनय से लोगों के दिलों पर छाप नहीं छोड़ पाईं। फिर जाकर उन्होंने विदेशी बिजनेसमैन से शादी कर ली और शोबिज की दुनिया से दूर चली गईं। सेलिना की बॉलीवुड में आखिरी फिल्म साल 2011 में 'थैंक्यू' थी। इसके बाद उन्होंने फिल्म 'विल यू मेरी मी' में एक कैमियो भी किया था।

सेलिना जेटली का करियर-शादी

साल 2001 में ही जैसी बी के एक वीडियो एलबम 'ओह केहरी' में नजर आई थीं। इसके बाद वो बॉम्बे वाइकिंग्स के भी एक एलबम में नजर आई थीं जिसमें उन्हें पसंद किया गया था। इसके बाद साल 2003 में उन्होंने फिरोज खान के निर्देशन में बनी फिल्म 'जानशीन' से फिल्मों में डेब्यू किया। सेलिना आखिरी बार साल 2011 में 'थैंक यू' फिल्म में नजर आई थीं। साल 2011 में सेलिना ने बिजनेसमैन पीटर हाग से शादी कर ली। सेलिना ने साल 2012 में जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था। जिनका नाम विराज और विंस्टन रखा गया। इसके बाद साल 2017 में उन्होंने एक बार फिर से जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। लेकिन इन दोनों में से केवल एक ही बच्चा जिंदा रह पाया था। अपने बेटे को खोने के बाद सेलिना काफी दुख में डूब चुकी थीं।

बचपन में झेला यौन उत्पीड़न का दर्द

सेलिना जेटली की हिट फिल्मों में 'नो एंट्री', 'गोलमाल रिटर्न्स', 'हे बेबी' और 'अपना सपना मनी मनी' का नाम शुमार है। कहा जाता है कि फिल्में हिट न होने पर उन्होंने इंडस्ट्री छोड़ दी। सेलिना फिल्मों से दूर होने के बावजूद एक लक्जरियस लाइफ जी रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनके पास 1000 सैंडल्स हैं। वहीं, सेलिना ने उरी घटना और सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पाकिस्तानी कलाकारों के बहिष्कार को लेकर दिए बयान से सनसनी मचा दी थी। जेटली का कहना था कि कला के नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। अभिनेत्री बचपन में यौन उत्पीड़न का दर्द भी झेल चुकी हैं, जिसका खुलासा भी उन्होंने खुद किया था।

क्या है पूरा मामला?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रिटायर मेजर विक्रांत कुमार जेटली साल 2024 से यूएई में हिरासत में हैं। इस मामले को लेकर सेलिना जेटली ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अब दिल्ली हाई कोर्ट ने सेलिनी जेटली के भाई के मामले में विदेश मंत्रालय को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति करने के निर्देश दिए हैं, जिससे सेलिना जेटली के भाई और रिटायर मेजर विक्रांत कुमार जेटली की स्थिति के बारे में जानकारी हासिल की जा सके। इस मामले की अगली सुनवाई 4 दिसंबर को निर्धारित की गई है।

अभिनेत्री ने दावा किया है कि उनके भाई मेजर (रिटायर्ड) विक्रांत कुमार एमएटीआईटीआई ग्रुप में कार्यरत थे, जो ट्रेडिंग, कंसल्टिंग और रिस्क मैनेजमेंट जैसी सेवाओं में शामिल हैं। याचिका में दावा किया गया है कि एक्ट्रेस के भाई को पिछले साल छह सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में किडनैप करके हिरासत में रखा गया है।

कोर्ट के निर्देश को आशा की किरण बताया

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट लिखकर हाई कोर्ट के निर्देश को आशा की किरण बताया है। सुनवाई के बाद सेलिना जेटली ने दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश को लेकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा- '14 महीनों की कड़ी मशक्कत के बाद, मैं आखिरकार अंधेरी सुरंग के अंत में रोशनी तक पहुंच गई हूं। मैं अभी-अभी माननीय दिल्ली हाई कोर्ट से बाहर निकली हूं, जहां मेरे भाई से संबंधित मेरी रिट याचिका पर सुनवाई हुई।'

सुहाना-आर्यन को करियर एडवाइज नहीं देते शाहरुख खान, कहा- मैं नहीं चाहता उन्हें यह बोझ महसूस हो कि तुम्हारे पापा शाहरुख हैं

शाहरुख खान ने अपने 60वें बर्थडे के खास मौके पर मुंबई में फैन मीट-अप रखा था। इस दौरान कई फैंस ने उनसे सवाल किए। एक फैन ने उनसे पूछा कि वो बच्चों सुहाना और आर्यन को कैसे करियर एडवाइज देते हैं। इसके जवाब में शाहरुख ने बताया कि उन्हें बच्चों को सलाह देना पसंद नहीं है। वो जो चाहें कर सकते हैं।

शाहरुख खान ने मीट-अप में कहा- 'आर्यन और सुहाना दोनों का झुकाव क्रिएटिव साइड में है। सुहाना एक्टिंग की ओर बढ़ रही है, वहीं आर्यन डायरेक्शन और राइटिंग की तरफआकर्षित है। मैं उन्हें ज्यादा कुछ नहीं कहता, क्योंकि मेरा मानना है कि क्रिएटिव लोगों को ज्यादा शब्दों की जरूरत नहीं होती। शुरुआत में आर्यन इस बात को लेकर श्योर नहीं था कि उसे खुद इसे (बैड्स ऑफ बॉलीवुड) को डायरेक्ट करना चाहिए या किसी और को करने देना चाहिए। लेकिन मेरा हमेशा से मानना है कि जो लोग अपनी कहानियां खुद लिखते और डायरेक्ट करते हैं, तो वे बेहतर डायरेक्टर साबित होते हैं।'

आगे शाहरुख ने कहा, 'मैं नहीं चाहता कि उन्हें यह बोझ महसूस हो कि 'अरे, तुम्हें अपने पापा की बात माननी ही होगी, आखिरकार वो शाहरुख खान हैं।' मैं नहीं चाहता कि वो मेरा बोझ उठाएं।'

बातचीत में शाहरुख खान ने ये भी बताया कि जब आर्यन खान ये फैसला नहीं कर पा रहे थे कि उन्हें बैड्स ऑफबॉलीवुड डायरेक्ट करनी चाहिए या नहीं, तब शाहरुख ने उनसे ईमानदारी से बात की। जिसके बाद वो इसके लिए राजी हो गए। शाहरुख ने कहा, 'मैंने उससे कहा, 'अगर दिल कहता है तो आगे बढ़ो, खुद ही डायरेक्ट करो, देखते हैं क्या होता है।' सबसे बुरा क्या हो सकता है? शायद सब कुछ परफेक्ट न हो, लेकिन वो उससे सीख जाएगा।'

आखिर में शाहरुख ने कहा, 'जब आप क्रिएटिव लोगों को आजादी देते हैं, तो वे कहीं बेहतर काम करते हैं, बजाय इसके कि आप उन्हें लगातार बताते रहें कि क्या करना है और कैसे करना है।'

बताते चलें कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड से बतौर डायरेक्टर इंडस्ट्री में कदम रखा है। सीरीज जबरदस्त हिट रही और अब इसके दूसरे सीजन पर काम चल रहा है। वहीं शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने नेटफ्लिक्स की फिल्म द आर्चीज से एक्टिंग करियर की शुरुआत की है। जल्द ही वो शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग में नजर आएंगी। शाहरुख के बर्थडे के खास मौके पर किंग का फर्स्ट लुक जारी किया गया है। साथ ही इसका टाइटल भी रिवील हुआ है।

54 की हुई एक्ट्रेस तब्बू, 14 की उम्र में निभाया रेप पीड़ित का किरदार, हॉलीवुड फिल्मों ने अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई

14 की उम्र में 'हम नौजवान' में रेप पीड़ित प्रिया का किरदार निभाने वाली तब्बू आज भारतीय सिनेमा की सबसे दमदार अभिनेत्रियों में गिनी जाती है। 'विजयपथ' से पहचान मिली और इसके बाद 'माचिस', 'चांदनी बार', 'हैदर' और 'अंधाधुन' जैसी फिल्मों ने उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। तब्बू ने हर किरदार में नई चुनौती स्वीकार कर सिनेमा को समृद्ध किया। निजी जीवन की उतार-चढ़ाव भरी यात्रा और विवादों के बावजूद उन्होंने संतुलन बनाए रखा। पद्मश्री सम्मान से नवाजी गईं तब्बू आज भी अपने सशक्त अभिनय, सादगी और गहरी सोच से प्रेरणा बनकर सामने आती हैं। तब्बू आज 54 साल की हो गई हैं, आइए उनके जीवन और करियर की कुछ खास बातें जानते हैं।

हैदराबाद में 4 नवंबर 1971 को जन्मी तबस्सुम हाशमी को आज दुनिया तब्बू के नाम से जानती है। तब्बू महज 12 साल की उम्र में पढ़ाई के लिए मुंबई आई थीं। दो साल तक सेंट जेवियर्स कॉलेज में पढ़ने के बाद किसे पता था कि सिर्फ14 की उम्र में वो देव आनंद की फिल्म 'हम नौजवान' में एक रेप पीड़ित का बेहद संवेदनशील किरदार निभा लेंगी। इतनी कम उम्र में इतना कठिन रोल चुनना हर किसी के बस की बात नहीं थी। यह तब्बू जैसी समझदार और गहरी सोच रखने वाली अदाकारा ही कर सकती थीं। हालांकि तब्बू इससे पहले फिल्म ''बाजार' में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर नजर आ चुकी थीं। लीड एक्ट्रेस के तौर पर तब्बू की पहली फिल्म तेलुगु की 'कुली नंबर वन' रही जिसने उनके अभिनय सफर की असली शुरुआत की।

डेब्यू फिल्म आठ साल के बाद हुई रिलीज

1987 में बोनी कपूर ने उन्हें अपनी फिल्म 'प्रेम' में साइन किया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट अनिल कपूर के छोटे भाई संजय कपूर थे। फिल्म का ऐलान तो जल्दी हो गया, लेकिन बनते-बनते इसे पूरा होने में पूरे आठ साल लग गए। इस लंबे इंतजार के बीच तब्बू ने कुछ और फिल्में भी कीं, लेकिन कोई फिल्म दर्शकों के दिल तक नहीं पहुंच सकी। यही दौर था जब 1994 में उनके हाथ लगी फिल्म 'विजयपथ'। इस फिल्म में तब्बू के साथ अजय देवगन नजर आए। अजय उस वक्त एक्शन हीरो के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहे थे और तब्बू के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई। 'विजयपथ' रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर छा गई। फिल्म सुपरहिट साबित हुई और तब्बू को भी बड़े पर्दे पर नई पहचान मिली। उनके अभिनय की तारीफ हर तरफ हुई और इसी फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिला।

तब्बू हमेशा अपने अभिनय और किरदारों के चुनाव से दर्शकों को चौंकाती रही हैं। उन्होंने साबित किया है कि असली कलाकार वही होता है जो हर बार एक नई चुनौती स्वीकार करे। चाहे किरदार किसी भी उम्र, रूप या धारणा से जुड़ा हो। 2007 में फिल्म 'चीनी कम' में तब्बू ने 34 साल की महिला 'निना' का किरदार निभाया था, जिसे 64 साल के शेफ 'बुद्धदेव गुप्ता' (अमिताभ) से प्यार हो जाता है। यह रिश्ता उम्र के फासले से परे था, मगर परदे पर दोनों की केमिस्ट्री इतनी सहज लगी कि दर्शक उम्र का अंतर भूल गए। सात साल बाद, 2014 में फिल्म 'हैदर' में तब्बू ने कुछ ऐसा किया, जिसे देखकर इंडस्ट्री भी हैरान रह गई। उन्होंने शाहिद कपूर की मां का किरदार निभाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। विशाल भारद्वाज की इस फिल्म में 'गजाला मीर' के उनके किरदार ने भावनाओं की परतें खोल दीं। एक ऐसी मां जो अपने बेटे और पति के बीच झूलती है और वक्त के साथ खुद के भीतर भी टूटती जाती है। फिल्म में उनके अभिनय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया।

सुर, संगम और समर्पण से सजी रजत महोत्सव की संध्या

- **सुर, संगम और समर्पण से सजी रजत महोत्सव की संध्या**
- **भूमि त्रिवेदी के सुरों की थिरकन, ऊषा बारले की पंडवानी का असर और सूफी संगीत की रूहानी महक**

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में सोमवार की रात संगीत, नृत्य और लोक संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिला। बॉलीवुड की ख्यातनाम पार्श्व गायिका भूमि त्रिवेदी ने अपनी मनमोहक आवाज़ से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने ससुराल गेंदा फूल, सैय्यारा, राम चाहे लीला, झुमका गिरा रे जय-जय शिवशंकर-कांटा लगे न कंकड़, होली खेले रघुवीरा, रंग बरसे, ये देश है वीर जवानों का..डम-डम ढोल बाजे, उड़ी-उड़ी जाएं जैसे लोकप्रिय गीतों को अपने नए अंदाज़ में प्रस्तुत कर माहौल को जोश और उमंग से भर दिया।

कार्यक्रम के दौरान हिंदी, पंजाबी और राजस्थानी सहित अन्य राज्यों के भाषाओं के धुनों के साथ छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत का ताना-बाना जोड़ते हुए उन्होंने युवाओं के दिलों में संगीत की हलचल मचा दी। दर्शकों की तालियों और नृत्य से पूरा प्रांगण गूंज उठा। इस दौरान कार्यक्रम का दर्शकों ने जमकर लुत्फ उठाया।

पंडवानी की वीरता और सूफी संगीत की रूहानी छुअन

छत्तीसगढ़ की गौरवगाथा को आगे बढ़ाते हुए पद्मश्री ऊषा बारले ने अपने तानपुरे की झंकार और अभिव्यक्तिपूर्ण मुद्राओं से महाभारत की वीरता को जीवंत कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविह्वल कर दिया और वे देर तक मंच से नज़रें नहीं हटा सके। उन्होंने महाभारत के चीरहरण की घटनाओं को मार्मिक और हृदयस्पर्शी ढंग से प्रस्तुत किया।

इसके बाद सूफी पार्श्व गायक राकेश शर्मा और उनकी टीम ने दमादम मस्त कलंदर, मौला मेरे मौला, चोला माटी के राम जैसे गीतों से श्रोताओं को रूहानी सफर पर ले गए। उनकी साथी गायिका निशा शर्मा और कलाकारों ने भी अपने स्वर और लय से इस सूफियाना माहौल को और प्रगाढ़ बनाया।

माटी की खुशबू और लोकनृत्य की छटा

प्रादेशिक लोकमंच के कलाकार कुलेश्वर ताम्रकार ने नाचा के माध्यम से छत्तीसगढ़ की माटी में रची-बसी लोकसंस्कृति को मंच पर साकार किया। उनके प्रदर्शन ने परंपरा, ऊर्जा और रचनात्मकता का ऐसा संगम रचा कि दर्शक देर तक तालियां बजाते रहे और दर्शकदीर्घा में मुस्कान के साथ थिरकते रहे। कार्यक्रम के दौरान देर रात तक दर्शक उपस्थित रहे।

राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ तेजी से विकास के पथ पर है अग्रसर-वित्त मंत्री ओपी चौधरी

वित्त मंत्री चौधरी ने रायगढ़ में किया जिला स्तरीय राज्योत्सव का विधिवत शुभारंभ, रजत जयंती की दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष पर रायगढ़ जिला मुख्यालय स्थित शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने सभी को रजत जयंती की हार्दिक बधाई दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि यह हमारे प्रदेश के लिए गर्व और आत्मगौरव का क्षण है कि छत्तीसगढ़ ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि इस राज्य की स्थापना का श्रेय श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की दूरदृष्टि और संकल्प को जाता है, जिनके प्रयासों से छत्तीसगढ़ एक समृद्ध और प्रगतिशील राज्य के रूप में उभर सका है। यह रजत जयंती वर्ष प्रदेश की विकास यात्रा का प्रतीक है। वित्त मंत्री चौधरी ने प्रदेशवासियों से विजन 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब छत्तीसगढ़ भी उसी संकल्प के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। श्री चौधरी ने बताया कि विगत दिवस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान सात घंटे प्रदेश में व्यतीत कर अनेक विकास कार्यों की सौगात दी, जो हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण से पहले छत्तीसगढ़ की स्थिति चुनौतीपूर्ण थी, हमारे लौह अयस्क और वन संपदा का लाभ हमें नहीं मिल पाता था। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ ने शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और अधोसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। वित्त मंत्री चौधरी ने बताया कि जब छत्तीसगढ़ का गठन हुआ तब प्रदेश में एकमात्र शासकीय मेडिकल कालेल था, आज यह संख्या बढ़कर 14 हो चुकी है और जल्द ही 20 से अधिक होने जा रही है। एमबीबीएस सीटें 100 से बढ़कर 2000 तक पहुंचने वाली हैं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आज प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईआईआईटी जैसे राष्ट्रीय स्तर के अनेक संस्थान संचालित हैं, जो छत्तीसगढ़ की शैक्षणिक प्रगति के प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में रायगढ़ जिला लगातार विकास की ओर अग्रसर है। रायगढ़ में उद्योग के साथ-साथ शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। नालंदा परिसर का निर्माण लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। संस्कृत महाविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, उद्यानिकी महाविद्यालय और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने बताया कि रायगढ़ में ऑक्सीजोन पार्क, एथलेटिक ट्रैक, स्विमिंग पूल, क्रिकेट व फुटबॉल ग्राउंड सहित नया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। सड़क चौड़ीकरण एवं नगरीय विकास के कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दीपक सिदार, सभापति श्री डिग्रीलाल साहू, नगर पालिका अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि, प्रशानिक अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। राज्योत्सव समारोह के प्रथम दिन आज शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में स्कूली बच्चों ने शानदार मनमोहक प्रस्तुति दी। जिसमें श्रीमती सोमादास एवं ग्रुप द्वारा गणेश वंदना, डॉ.दीपिका सरकार एवं ग्रुप द्वारा शिव स्त्रोत नृत्य, कुमारी मानवी अग्रवाल द्वारा कथक, कार्मेल कन्या स्कूल के विद्यार्थियों ने मराठी लोकनृत्य सहित अन्य स्कूली बच्चों ने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

राज्योत्सव छत्तीसगढ़ : सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की झांकी में बच्चों की विशेष रुचि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एक अनोखी पहल की गई है। विभाग द्वारा राजस्व परिसर में विभागीय प्रदर्शनी के डोम के सामने अत्याधुनिक टेलिस्कोप के माध्यम से सूर्य और चंद्रमा को 1500 गुना बड़ा लाइव दिखाया जा रहा है।

स्कूल और महाविद्यालय के विद्यार्थियों की इस प्रदर्शनी में विशेष रुचि है। टेलिस्कोप के माध्यम से चंद्रमा की सतह को 1500 गुना बड़ी आकृति में देखकर विद्यार्थी रोमांचित हो रहे हैं। इंजीनियरिंग की छात्रा कुमारी आकृति शर्मा ने बताया कि इतना अत्यधिक टेलीस्कोप के माध्यम से चंद्रमा को देखना बहुत ही रोमांचकारी है।

आकृति शर्मा ने कहा कि बचपन से ही सूर्य और चंद्रमा के प्रति विशेष रुचि रही है। इस टेलिस्कोप के माध्यम से चंद्रमा को बहुत करीब से देख पा रही हैं। चंद्रमा और सूर्य को 1500 गुना बड़ा देखना राज्योत्सव को अविस्मरणीय बना दिया है। उन्होंने इसके लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

रजत जयंती में जनसंपर्क विभाग की डिजिटल प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को दर्शाने के लिए नवा रायपुर के राज्योत्सव मैदान में जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई डिजिटल प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस प्रदर्शनी में राज्य के निर्माता तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की रचना, छत्तीसगढ राज्य निर्माण के लिए किए गए संघर्ष, विकास यात्रा और उपलब्धियों को अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित की गई है।

राज्योत्सव के उद्घाटन अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कहा कि इसमें स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की कृतियों के साथ राज्य के विकास योजनाओं को प्रदर्शित किया गया है, जो सराहनीय है।

डिजिटल प्रदर्शनी में राज्य के 25 वर्षों की उपलब्धियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की विकास गाथा तथा राज्य की फ्लैगशिप योजनाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक गतिविधियों को आकर्षक साउंड इफेक्ट्स के साथ प्रदर्शित किया गया है, जिससे यह प्रदर्शनी आगंतुकों के लिए अत्यंत रोचक और जानकारी का स्त्रोत बन गया है।

प्रदर्शनी में भुइंया अभिलेख, एमएसएमई इकाइयों की स्थापना, पारदर्शिता आधारित शासन व्यवस्था, हर दिशा में विकास, हर परिवार को घर, हर गांव का विकास, हर युवा को अवसर, हर जीवन को सुरक्षा, हर नारी का सम्मान तथा हर घर में समृद्धि जैसी योजनाओं को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य के विकास और प्रगति के दशक की झलक भी इस प्रदर्शनी में देखने को मिलती है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य को विकसित राज्य बनाने की परिकल्पना अंजोर विजन @2047 को भी डिजिटल माध्यम से दर्शाया गया है, जो लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह प्रदर्शनी न केवल राज्य की उपलब्धियों का सजीव चित्रण करती है बल्कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के उज्जवल भविष्य की दिशा को भी दर्शाती है।

मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर में किया अमलीगुड़ा एनीकट-कम-कॉजवे जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की जनहितैषी नीतियों और विकास को हर कोने तक पहुँचाने की प्राथमिकता के तहत बस्तर जिले के बाकेल में एक महत्वपूर्ण विकास कार्य का शुभारंभ हुआ। वन मंत्री केदार कश्यप ने ग्राम पंचायत अमलीगुड़ा के निवासियों को बड़ी सौगात देते हुए 2 करोड़ 27 लाख रुपये की स्वीकृत राशि से अमलीगुड़ा एनीकट-कम-कॉजवे के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया।

छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा स्वीकृत यह परियोजना क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अंतिम छोर तक मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना और सभी विकास योजनाओं को धरातल पर उतारना है। उन्होंने कहा कि यह एनीकट-कम-कॉजवे का जीर्णोद्धार कार्य न केवल जल प्रबंधन में सुधार करेगा, बल्कि क्षेत्र की कनेक्टिविटी को भी मजबूत बनाएगा, जिससे अमलीगुड़ा और आस-पास के क्षेत्रों की जनता को बेहतर सुविधा प्राप्त होगी और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल, ग्राम पंचायत अमलीगुड़ा के सरपंच दयमन बघेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राज्योत्सव छत्तीसगढ़ः खेल और बस्तर ओलंपिक की मिल रही जानकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्टॉल में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्टॉल में खेल की विविधता और खेल सामग्री के साथ-साथ बस्तर ओलंपिक को विशेष रूप से हाइलाइट किया गया है। स्टॉल में प्रवेश करते ही बस्तर ओलम्पिक के शुभंकर वन भैंसा से हाथ मिलाकर और सेल्फी लेकर युवा रोमांचित हो रहे हैं। खेल में रुचि रखने वाले युवा और बच्चे खेल एवं युवा कल्याण विभाग की झांकी देखकर खेल की विविधता और खेल सामग्रियों से परिचित हो रहे हैं।

इसके अलावा पूर्व में आयोजित किए गए बस्तर ओलंपिक के अविस्मरणीय चरणों के फोटोग्राफ भी प्रदर्शित किए गए हैं। बैचलर ऑफफिजिकल एजुकेशन के छात्र किशोर यादव ने बताया कि इस स्टॉल से खेल की विविधताओं, टूर्नामेंट और उससे संबंधित जानकारी उपलब्ध हो रही है। श्री यादव ने कहा कि ऐसी जानकारी खेल में रुचि रखने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण है।

राज्य के नीतिगत विकास की झलक दिखा श्रम विभाग की प्रदर्शनी में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के तीसरे दिन भी भारी संख्या में रही लोगों की भीड़। राज्य सरकार के श्रम विभाग की विशेष प्रदर्शनी ने लोगों के मन में विशेष आकर्षण एवं उत्साह पैदा किया है। श्रम विभाग की प्रदर्शनी में राज्य के श्रमिकों की मेहनत, विकास और सरकारी नीतियों के समन्वय की कहानी को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया गया है।

राज्य गठन के बाद से श्रम विभाग ने श्रमिकों के अधिकार, सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की योजनाओं के माध्यम से लाखों श्रमिक परिवारों को शिक्षा सहायता, स्वास्थ्य सुविधा, मातृत्व लाभ और पेंशन का लाभ मिल रहा है।

सरकार की श्रम नीतियाँ पारदर्शी और तकनीक-संवर्धित रही हैं। ईश्रम पोर्टल के माध्यम से अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिक भी आसानी से योजनाओं से जुड़ पा रहे हैं। महिला श्रमिकों के कौशल विकास, सुरक्षित कार्यस्थल और स्वरोज़गार को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहलें की गई हैं।

प्रदर्शनी में डिजिटल डिस्प्ले और दृश्य सामग्री के ज़रिए श्रमिक सशक्तिकरण की इस 25 वर्षीय यात्रा को जनजन तक पहुँचाया जा रहा है। बाल श्रम उन्मूलन, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सृजन जैसे विषयों को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। श्रम विभाग के अंतर्गत 'अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना' के माध्यम से मंडल में 01 वर्ष पूर्व पंजीकृत निर्माण श्रमिक के प्रथम 02 संतानों को कक्षा 6वीं में प्रवेश दिया जाकर कक्षा 12वीं तक श्रेष्ठ आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तायुक्त निःशुल्क शिक्षा प्रदान किया जाता है। इस योजना में चयनित कोचिंग संस्थानों के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का निशुल्क कोचिंग प्रदान किया जाता है। राज्योत्स्व स्थल में आए आगंतुकों ने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल सरकारी योजनाओं का प्रदर्शन नहीं, बल्कि मेहनत का मान और श्रमिक के सम्मान का प्रतीक है।

छत्तीसगढ़ ने 25 वर्षों में विकास के विभिन्न ऊंचाइयों को छुआ हैः मंत्री नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलरामपुर जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिवस मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के आदिम जाति विकास और कृषि मंत्री रामविचार नेताम शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया। इस दौरान कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने मंत्री नेताम सहित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

मंत्री नेताम ने राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकानाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ निर्माण को 25 वर्ष पूरे होने पर हम रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले 25 साल में हमारा छत्तीसगढ़ राज्य और बलरामपुर जिला उपलब्धियों को छूएगा। साथ ही विकास की गई गाथाएं लिखेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ गठन के विकास यात्रा के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बलरामपुर-रामानुजगंज जिला 2012 में बना तब जिले में सिंगल सड़कें हुआ करता थी, लेकिन आज हमने सड़कों का जाल बिछाया है। हमारा जिला नक्सलवाद से जूझ रहा था, परन्तु आज स्थिति बदल गई है, अब हमारा जिला नक्सल मुक्त हो चुका है। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में हमने नई ऊंचाईयों को छुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में आज विद्यालयों की संख्या बढ़ी है, सिंचाई का रकबा बढ़ा है, नल जल योजना के माध्यम से घरों में स्वच्छ जल पहुंचाया जा रहा है, किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कर सीधे उनके खाते में ही पैसा हस्तांतरित किया जा रहा है। साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से तकनीकी ज्ञान एवं उन्नत खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि राज्य निर्माण के समय हमारे जिले में तहसीलों की संख्या कम थी, परन्तु आज हमारे जिले में तहसीलों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। साथ ही 06 अनुभाग भी बनाये गये हैं, जिससे लोगों को सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हर वर्गों जैसे बुजुर्गों, महिलाओं एवं आमजनों के लिए नीतिगत योजनाएं चला रही है। जिनका लाभ अंतिम छोर तक पहुंच रहा है। मंत्री नेताम ने बताया कि 01 नवम्बर को राजधानी रायपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आगमन हुआ था। उन्होंने इस दौरान नये विधानसभा भवन और आदिवासी संग्रहालय का उद्घाटन किया।

मंत्री श्री नेताम ने स्टॉलों का किया अवलोकन

कृषि मंत्री नेताम ने इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गये स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहियों को सामग्रियां प्रदान की। समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के 06 दिव्यांगजनों को विभिन्न योजनाओं के तहत मोटराइज्ड ट्राइसाइकल, व्हील चेयर, ब्लाइंड स्टीक एवं स्टीक प्रदान किया गया। मोटराइज्ड ट्राइसाइकल मिलने पर रामानुजगंज के जितेन्द्र पासवान ने मंत्री नेताम एवं जिला प्रशासन का आभार जताया। इसी प्रकार दृष्टिबाधित बुन्दे सिंह ने भी ब्लाईंड स्टीक मिलने पर मंत्री नेताम को धन्यवाद दिया।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कुल 55 हितग्राहियों को हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण किया। कृषि मंत्री श्री नेताम ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 05 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी। साथ ही नोनी सुरक्षा योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपये का चेक, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपये का चेक, मिनी माता महतारी जतन योजना अंतर्गत 02 हितग्राहयों को 20-20 हजार रुपये का चेक, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी षिक्षा सहायता योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को 40 एवं 38 हजार रुपये का चेक, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक सहायता योजना अंतर्गत 01 हितग्राही को 01 लाख रुपये का चेक, 05 हितग्राहियों को श्रम कार्ड का वितरण, छत्तीसगढ़ महिला कोष अंतर्गत 05 हितग्राहियों को 02-02 लाख रुपये का ऋ ण, सक्षम योजना अंतर्गत 01 हितग्राही को 01 लाख रुपये का ऋण, 07 हितग्राहियों को मत्स्य जाल, 03 हितग्राहियों को आईस बाक्स, 05 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत आवास की चाबी सौंपी। जिले में जनजातीय परंपराओं और लोक संस्कृति की महक से सराबोर उत्तर क्षेत्रीय जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव का आयोजन किया गया।

जिसमें मंत्री रामविचार नेताम शामिल हुए। महोत्सव में जिले के सभी विकासखंड से आए 12 नृत्य दलों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण और लोक वाद्य यंत्रों के साथ आकर्षक लोक नृत्य करते हुए आदिवासी जीवन की संस्कृति, परंपरा और उत्सव भावना का मनमोहक प्रदर्शन किया। मंत्री नेताम कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

पुलिस ने अवैध शराब बिक्री करने वाले आरोपी को पकड़ा, देशी शराब जब्त

बालोद। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग के आदेश पर पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक राजहरा डॉ. चित्रा वर्मा के मार्गदर्शन में अवैध जुआ, सट्टा एवं शराब के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी दल्लीराजहरा निरीक्षक संतोष कुमार भुआर्य के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। जिले के राजहरा पुलिस को मिली मुखबिर सूचना पर पुलिस टीम ने राजहरा वार्ड क्रमांक 18 स्थित दंतेश्वरी मंदिर के पास रहने वाले नोमेश कुमार रामटेके पिता भोला रामटेके (उम्र 29 वर्ष) के घर पर छापामार कार्यवाही की। जांच में आरोपी के कब्जे से एक सफेद-हरे रंग की थैली मिली। जिसमें टी वैली लिखा था। जिससे 54 पौवा देशी प्लेन शराब (रोमियो कंपनी) तथा दूसरी सफेद थैली जिसमें बुलबुल बैंगल्स एंड जनरल स्टोर्स लिखा था, से 46 पौवा देशी प्लेन शराब (शोले कंपनी) कुल 100 पौवा शराब जब्त की गई। जब्त की गई शराब की मात्रा 18 लीटर बल्क लिटर व अनुमानित कीमत 8000 रुपये बताई गई है। साथ ही आरोपी के पास से 200 रुपये की बिक्री रकम भी बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया तथा न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना मे प्रेस नोट जारी, अगले 6 महीने तक तेलंगाना में युद्ध विराम

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में स्टेट कमेटी मेंबर और नक्सली लीडर्स ने एक प्रेस नोट जारी किया है। जिसमें उन्होंने अगले 6 महीने तक तेलंगाना में युद्ध विराम करने की बात कही है। तेलुगु भाषा में जारी किए गए इस प्रेस नोट में लिखा है कि पिछले 6 महीने तक राज्य में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए सरकार ने साथ दिया है। लेकिन केंद्र सरकार माहौल बिगाड़ रही है। दरअसल, नक्सलियों के तेलंगाना स्टेट कमेटी के प्रवक्ता जगन ने प्रेस नोट जारी किया है। जगह का कहना है कि, अप्रैल, मई और जून 2025 के महीने में तेलंगाना के सभी दल, सामाजिक समूहों और जन संगठनों ने शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने को लेकर बड़े पैमाने पर आंदोलन चलाया था। तेलंगाना राज्य सरकार ने भी जन आकांक्षाओं के अनुरूप अपनी प्रतिक्रिया दी थी। 'शांतिपूर्ण माहौल बना रहे इसलिए युद्ध विराम' प्रेस नोट में आगे लिखा है कि पिछले मई के महीने में हमने युद्धविराम का ऐलान किया था। इन 6 महीनों में हमने योजनाबद्ध तरीकों को लागू किया। साथ ही यह सुनिश्चित किया कि शांतिपूर्ण माहौल बना रहे। इसलिए अब जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप आने वाले 6 महीनों के लिए युद्ध विराम की घोषणा कर रहे हैं। नक्सल संगठन की ओर से शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा। जगन का कहना है कि तेलंगाना सरकार से भी अपील है कि वे भी पहले की तरह कार्य करती रहे। नक्सलियों ने कहा कि, केंद्र सरकार तेलंगाना के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने का प्रयास कर रही है।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई : ढाई हजार नशीली कैप्सूल बरामद, कुल आठ आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा अवैध रूप से नशा बेचने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने खुर्सीपार व पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र में कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से ढाई हजार नशीली कैप्शूल बरामद की है। उक्त कैप्शूल को यह सभी अवैध रूप से बेच रहे थे और युवा वर्ग को नशे की लत लगा रहे थे। आरोपियों के खिलाफपुलिस द्वारा धारा 21 सी, 8, 27(इ्) एनडीपीएस एक्ट, 111(3) के तहत कार्रवाई की गई है।

दरअसल पुलिस मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि कुछ लोग खुर्सीपार के आईटीआई ग्राउंड में नशीली कैप्सूलटैबलेट अवैध रूप से रखकर बिक्री करने ग्राहक तलाश रहे हैं द्य सूचना के उपरांत उपस्थित स्टॉफघटनास्थल पर रवाना हुआ मौके पर पाया कि कुछ व्यक्ति नशीली दवाएं रखे हैं। घेराबंदी कर उन्हें पकड़ कर पूछताछ किया गया जिस पर संदेहियों द्वारा अपना नाम रजनीश पांडे, विपिन जेम्स, श्याम कन्हैया विश्वकर्मा, रणजीत राम, अभिजीत साहू व अरबाज खान उर्फबाबू बताया द्य

इनकी तलाशी लेने पर रजनीश पांडे से बिना नंबर मोटरसाइकिल, नशीली कैप्सूल 192 नग, नगदी रकम 400 रुपए, एप्पल व मोटारोला का फोन, विपिन जेम्स से 312 नाग कैप्सूल, सैमसंग का मोबाइल और नगदी रकम तीन सौ रुपए, श्याम कन्हैया विश्वकर्मा से प्रोक्सी को स्पष्ट कैप्सूल 264 नाग, एक वीवो मोबाइल, नगदी रकम 350 रुपए, रणजीत राम से 280 नाग कैप्सूल एक सैमसंग मोबाइल ?250 नगदी रकम, अभिजीत साहू से 296 नाग कैप्सूल तथा अरबाज खान से 700नग कैप्सूल एवं एक वनप्लस मोबाइल फोन बरामद किया गया इसी प्रकार कुल 2044 नग कैप्सूल एवं बिक्री रकम 1300 टाइटन की घड़ी, 6 मोबाइल, एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया।

इसी कड़ी में थाना पद्मनाभपुर में मुखबिर से सूचना मिली कि मानस भवन के पीछे रविशंकर स्टेडियम दुर्ग के पास नशीली दवाई रखकर बिक्री की जा रही है। सूचना उपरांत पुलिस टीम द्वारा सक्रिय कार्यवाही करते हुए सूचनास्थल पर पहुंची मौके पर पहुंच कर देखा कि दो व्यक्तियों द्वारा नशीली दवा रखी गई है। पुलिस द्वारा उन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया द्य संदेहियों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम फैजान अहमद व साहिल कुमार यादव बताया। तलाशी लेने पर दोनों आरोपियों से ट्रामाडोल टेबलेट की 45 स्ट्रिप/ 371 नग कैप्सूल बरामद किए हुआ एवं बिक्री रकम 1110 रुपए, एक एक्टिवा, दो मोबाइल फोन जब्त किया गया गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना पद्मनाभपुर में अपराध कायम कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया द्य उक्त कार्यवाही में थाना खुर्सीपार व पद्मनाभपुर पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जमीन हड़पने बेटे ने झूठे दस्तावेज बनाए: स्वर्गीय दादी के अंगुठे का फर्जी निशान लिया, पिता के भी किए हस्ताक्षर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में एक युवक ने अपने पापा और दादी की जमीन हड़पने के लिए झूठे दस्तावेज कर लिए। इस काम में भुनेश्वर प्रसाद साहू के दोस्तों ने भी उसका साथ दिया। आरोपी ने अपनी स्वर्गीय दादी के अंगूठे के निशान और पिता के हस्ताक्षर के लिए दूसरे व्यक्ति का सहारा लिया। जब ये बात घर वालों को पता चली तो पिता अपने बेटे के खिलाफ थाने में शिकायत के लिए पहुंचे। मामला उतई थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला तहसील पाटन के ग्राम पतोरा का है। ग्राम पतोरा के रहने वाले प्रार्थी पुसऊराम साहू ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके और उनकी मां स्वर्गीय सुरजाबाई साहू के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज भूमि को धोखे से हड़पने का प्रयास किया गया है।

पिता ने अपनी शिकायत में बताया है कि उसके बेटे रुपेश कुमार साहू पर दबाव बनाते हुए भूनेश्वर साहू, देवादास मानिकपुरी, पूरन लाल साहू सहित अन्य लोगों ने एक कूटरचित आम मुख्त्यारनामा तैयार करवा लिया।

यह दस्तावेज उप-पंजीयक कार्यालय दुर्ग में इस प्रकार से निष्पादित कराया गया कि उसमें प्रार्थी और उसकी मां की उपस्थिति नहीं थी। दोनों की जानकारी या सहमति के बिना अन्य व्यक्तियों को उपस्थित कराकर उनके स्थान पर हस्ताक्षर और अंगूठा निशान कराकर दस्तावेज निष्पादित किया गया।

धोखाधड़ी के मामले में सिटी कोतवाली ने दर्ज किया मामला

प्रार्थी ने बताया कि आम मुख्त्यारनामा भू अभिलेख के स्वामी होने के नाते मुझे इस प्रक्रिया की कोई जानकारी नहीं दी गई। व मेरी मां अब इस दुनिया में नहीं है, बावजूद मेरी मां के फर्जी अंगूठे के निशान दूसरे व्यक्ति के द्वारा लगाए गए। शिकायत मिलने के बाद थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 423, 467, 468, 470, 471, 120-बी, 34 भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल विवेचना शुरू की और आरोपियों की पतासाजी की।

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया जुर्म

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी भुनेश्वर प्रसाद साहू (निवासी ग्राम पतोरा, थाना उतई), देवादास मानिकपुरी (निवासी ग्राम अचानकपुर, थाना उतई) और पूरन लाल साहू (निवासी ग्राम अचानकपुर, थाना उतई) को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में तीनों ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर षड्यंत्रपूर्वक कूटरचित दस्तावेज तैयार किए और इंकरारनामा के माध्यम से जमीन हड़पने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर 3 नवंबर 2025 को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

दुर्ग रानीतराई गांव में बुजुर्ग महिला की हत्या, दातून तोड़ने का मामूली विवाद बना कारण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । दातून तोड़ने का मामूली विवाद बना कारण रानीतराई थाना क्षेत्र अंतर्गत बोरीद गांव में सोमवार की सुबह मामूली विवाद को लेकर दो महिलाओं के बीच हुई लड़ाई में एक महिला की जान चली गई। दातून तोड़ने को लेकर शुरू हुआ झगड़ा इतना बढ़ गया कि मारपीट में तब्दील हो गया। मृतिका की शिनाख्त राधाबाई (55) के रूप में हुई है।रानीतराई पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक घटना सुबह करीब 9:30 बजे की है। गांव की रहने वाली राधाबाई और हेमा भारती (27) के बीच दातून तोड़ने को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते बहस इतनी बढ़ गई कि दोनों में हाथापाई शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि झगड़े के दौरान राधाबाई को अंदरूनी चोट लगी, जिसके कारण उसकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस कर रही है जांच

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी महिला से पूछताछ जारी है। रानीतराई थाना प्रभारी ने बताया कि दो महिलाओं के बीच दातून तोड़ने को लेकर विवाद हुआ था। झगड़े की वजह से एक महिला को अंदरूनी चोट लग गई थी। अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में बेस्टो कॉफ कफ सिरप जांच में निकली नकली

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद । छत्तीसगढ़ में बेस्टो कॉफ कफ सिरप जांच में नकली निकली है। असली सिरप की मार्केटिंग करने वाली दिल्ली की कंपनी बेस्टोकेम फार्मूलेशंस ने इसे अपना उत्पाद मानने से साफ इनकार कर दिया है। इसके साथ ही बच्चों के लिए खांसी की सिरप पर बैन लगा दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद फूड एंड ड्रग विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 नवंबर को गरियाबंद के कुलेश्वर नाथ मेडिकल के संचालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वहीं, विभाग की लैब में जमा 150 से ज्यादा सैंपल की रिपोर्ट अब तक नहीं आई है। बता दें कि इसी स्टोर में यह दवाई मिली थी, जिसे जांच के लिए लैब भेजा गया था। कालीबाड़ी स्थित राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला में जब इस सिरप का सैंपल जांचा गया, तो यह सब-स्टैंडर्ड पाया गया। रिपोर्ट में सिरप में जरूरी औषधीय तत्वों की मात्रा बेहद कम मिली थी। जब विभाग ने संबंधित कंपनी से जवाब मांगा, तो कंपनी ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि यह सिरप उनकी नहीं है। इस आधार पर इसे नकली दवा की श्रेणी में रखकर कार्रवाई शुरू की गई। विभाग ने कुलेश्वर मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स के संचालक सीताराम साहू को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत गिरफ्तार किया है।

दहेज में मोटर साइकिल नहीं मिले पर विवाहिता को किया प्रताड़ित, दवा खिलाकर कराया गर्भपात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में दहेज़ में मोटर सायकल नहीं लाने की बात को लेकर एक विवाहित महिला को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। विवाहिता को जबरन दवा खिलाकर उसका गर्भपात कराया गया। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस पति समेत तीन लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार महिला ने बताया की नावापारा टेन्डा निवासी प्रेम कुमार राठिया के साथ 12 मार्च 2023 में सामाजिक रीति रिवाज़ के साथ उसका विवाह हुआ था। विवाह के दौरान महिला के पिता ने अपने सामर्थ अनुसार सोना, चांदी के जेवर, पलग, सोफा सेंट ड्रेसिंग टेबल, एलईडी टीव्ही, फ्रीज, कुलर, पंखा, रेंजर सायकल, बर्तन, एवं अन्य सामान उपहार स्वरूप प्रदान किया गया था। महिला ने बताया की विवाह के पश्चात वह अपने ससुराल गई तब उसके पति प्रेमकुमार राठिया और दादी कमला और चाची सुरेखा उसे दहेज़ में मोटर सायकल नहीं लाई हो कहकर लडाई झगडा करते हुये ताना देते थे। महिला ने बताया है की जब वह गर्भवती थी, दिसम्बर 2023 में उसके पति, दादी और चाची ने मिलकर उसे जबरन दवाई खिला कर गर्भपात करा दिया। इस दौरान तबियत बिगड़ने पर उसे डॉक्टर के पास ले जाया गया। इस बीच पीड़िता ने अपने पिता को पूरी बात बताई। तब उसके पिता उसे अपने साथ ले गए और उसका इलाज कराया। बहरहाल महिला की शिकायत के बाद पुलिस उसके पति प्रेम कुमार राठिया, दादी सास कमला बाई एवं चाची सास सुरेखा राठिया के खिलाफ धारा 498 (ए) के तहत अपराध दर्ज करते हुए पुरे मामले की जांच की जा गया।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No. :- 07749-222370, Email Id :– ee-res.balod@gov.in

(E-Tender) सूचना द्वितीय बार

क्रमांक / 12 /व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2025–26   बालोद, दिनांक 31.10.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में ''डी''–वर्ग एवं उच्च श्रेणी में ठेकेदारों पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र–''अ'' पर दर्षित कार्य हेतु प्रतिषत दर प्राप्त करने ऑनलाईन ई–निविदा दिनांक .11.11.2025 तक आमंत्रित की जाती है । कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह वर्षाऋतु सहित

क्रमांक	कार्य का नाम एवं स्थल का नाम	ठेके की अनुमानित राशि	धरोहर राशि रू.
1	2	3	4
1	महतारी सदन निर्माण कार्य जिला बालोद ग्राम पंचायत सुरेगांव , एवं ग्राम पंचायत जेवरतला रोड विकासखण्ड डौण्डीलोहारा (विद्युतीकरण कार्य को छोडकर)	प्रत्येक कार्य हेतु 26.83	प्रत्येक कार्य हेतु 26850/-

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राषि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई–प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 31.10.2025 से देखी जा सकती है ।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला–बालोद (छ.ग.)

जी- 252604495/3

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No. :-07749-222370, Email Id:- ee-res.balod@gov.in

(ई-निविदा (Zonal Tender) सूचना प्रथम बार

क्रमांक / 10 / व.ले.लि./ ग्रा.यां.से. / 2025-26   बालोद, दिनांक 31.10.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित क्षेत्रीय निविदा (Zonal Tender) हेतु जनपद पंचायत (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र हेतु) बालोद ग्रुप (अ,ब,स) निविदा हेतु प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 से एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित तथा सिविल कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के दिनांक 01.01.2015 एवं नलकुप खनन हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर निविदा प्रतिशत दर पर दि. 14.11.2025 को ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

अत: अमानत राशि सत्यनिष्ठा संधि एवं तकनीकी दस्तावेज स्पीड पोस्ट के माध्यम से इस कार्यालय में दिनांक 17.11.2025 को कार्यालयीन समय अपरान्ह 5.30 बजे तक पहुंचना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 18.11.2025 को 11:30 बजे पूर्वान्ह में खोली जावेगी:-

(1) निविदा राशि रू. 35.00 लाख एवं 30.00 लाख प्रत्येक ग्रुप
(2) अमानत राशि रू. 35000.00 एवं 30000 प्रत्येक ग्रुप
(3) निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 1500 प्रत्येक ग्रुप

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल https://res.cg.gov.in/ अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 31.10.2025 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला- बालोद (छ.ग.)

जी- 252604485/3

छत्तीसगढ़ देश में सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्यः डॉ. रमन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह नवा रायपुर अटल नगर में चल रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के तीसरे दिन के मुख्य अतिथि के रूप कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य निर्माण से पहले छत्तीसगढ़ पलायन, कुपोषण और पिछड़ेपन के लिए जाना जाता था। अब 25 वर्ष में छत्तीसगढ़ ने तेजी से विकास किया है और छत्तीसगढ़, देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बन गया है।

उन्होंने इस अवसर पर पडवानी गायक पद्मश्री उषा बारले, सूफी गायक राकेश शर्मा, छत्तीसगढ़ गायक कुलेश्वर ताम्रकर एवं पार्श्व गायक भूमि त्रिवेदी को सम्मानित किया। इस मौके पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा और विधायक धरसीवां अनुज शर्मा भी शामिल रहे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता श्रद्धेय अटल का स्मरण करते हुए कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए छत्तीसगढ़ को पृथक से राज्य बनाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बना है। आज छत्तीसगढ़ भारत के आधे राज्यों को चावल प्रदान करता है, देश में हर पांचवे सीमेंट की बोरी छत्तीसगढ़ की है, हर पांचवा छड़ छत्तीसगढ़ का है, छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि अब बस्तर से सरगुजा तक सड़कों का जाल बिछ चुका है। राज्य में आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपलआईटी, हिदायतुल्लाह लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स, 15 मेडिकल कॉलेज, 84 नर्सिंग कॉलेज जैसी संस्थाएं खुल गयीं हैं। ये छत्तीसगढ़ की बदलती तस्वीर है। उन्होंने कहा कि आने वाला कल छत्तीसगढ़ का है छत्तीसगढ़ के युवाओं के संकल्प में वो ताकत है कि 2047 में जब भारत विकसित राष्ट्र बनेगा तब छत्तीसगढ़ देश के सबसे विकसित राज्यों में शीर्ष पर होगा।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि राज्य का निर्माण जिन उद्देश्यों को लेकर किया गया था आज उसे पूरा करते हुए तीव्र गति से विकास कर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इसके विकास की गति दुगुनी हो गयी है। विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी संस्कृति और संसाधनों में देश में विशिष्ट स्थान रखता है। उन्होंने रजत महोत्सव पर राज्य के निर्माताओं को नमन भी किया।

इस अवसर पर साहित्य अकादमी संस्कृति परिषद के अध्यक्ष शशांक शर्मा, फिल्म विकास निगम अध्यक्ष मोना सेन, तिमलेंदु शेखर विक्रम सिसोदिया, संस्कृति विभाग के सचिव रोहित यादव, संचालक संस्कृति विभाग श्री विवेक आचार्य सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

राजधानी में होगा एमआरएफ नेशनल सुपरक्रॉस चैम्पियनशिप, सीएम साय ने बाइक चलाकर युवाओं को दिया सेफ ड्राइविंग का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष के अवसर पर राजधानी रायपुर का बूढ़ापारा आउटडोर स्टेडियम आगामी 8 और 9 नवम्बर को रफ्तार, रोमांच और युवाओं के उत्साह का मंच बनेगा। रजत जयंती समारोह की श्रृंखला में आयोजित यह विशेष कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की नई ऊर्जा, नवाचार भावना और युवा सामर्थ्य का प्रतीक होगा। कार्यक्रम से पूर्व सोमवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं बाइक चलाकर युवाओं को सेफ ड्राइविंग का संदेश दिया।

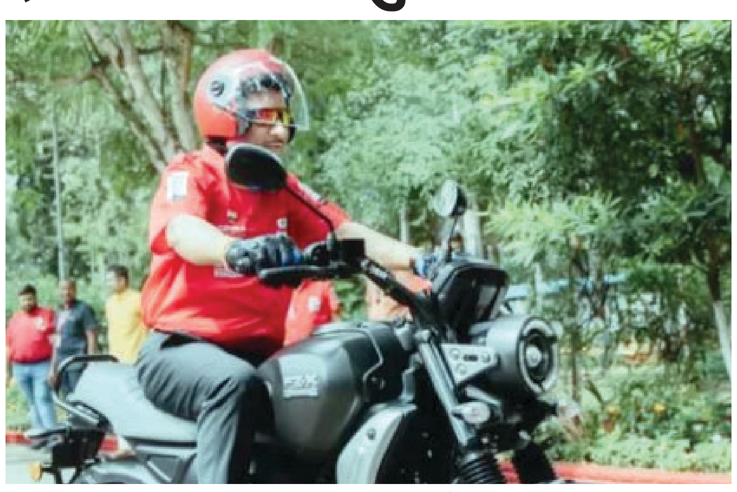

छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एमआरएफ नेशनल सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैम्पियनशिप 2025 का यह भव्य आयोजन न केवल रोमांचक मोटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देगा, बल्कि युवाओं को सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट पहनने और सड़क पर रेसिंग से बचने जैसे सामाजिक संदेश देने का भी माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आगामी 8-9 नवंबर को आयोजित नेशनल सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा, युवाओं में अपार ऊर्जा है, और उस ऊर्जा को सही दिशा देना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री साय ने युवाओं को सेफ ड्राइविंग का संदेश देते हुए कहा कि जीवन अनमोल है इसीलिए दुपहिया चलाते समय हमेशा हेलमेट पहने और ट्रैफिक नियमों का पालन करें ।

सड़क पर रेसिंग बिल्कुल ना करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ ही नई पीढ़ी में अनुशासन, जिम्मेदारी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ का युवा केवल गति से नहीं, बल्कि संयम और संकल्प से पहचाना जाए। छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्जवल दीपक ने बताया कि यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि रफ्तार जुनून बने, जोखिम नहीं — यही इस चैम्पियनशिप की असली सोच है। इस आयोजन की सबसे खास बात यह है कि रेसिंग सड़क पर नहीं, बल्कि विशेष रूप से निर्मित सुरक्षित रेसिंग ट्रैक पर होगी, जहाँ सभी सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस दो दिवसीय सुपरक्रॉस चैम्पियनशिप में देश के शीर्ष राइडर्स हिस्सा लेंगे।

एमआरएफ के सहयोग से आयोजित यह प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ को देश के मोटर स्पोर्ट्स मानचित्र पर एक नई और सम्मानजनक पहचान दिलाने जा रही है।

विकास कार्यों से बदलेगी बलौदाबाजार जिले की तस्वीर - मंत्री जायसवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ढाई करोड़ रुपये की लागत से निर्मित वृहद पुल का लोकार्पणजिले के प्रभारी मंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने रविवार को ग्राम खटियापाटी में आयोजित कार्यक्रम में 2 करोड़ 67 लाख 91 हजार रुपये की लागत से निर्मित वृहद पुल का लोकार्पण तथा 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले बाउंड्रीवाल का भूमिपूजन किया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत बलौदाबाजार विकासखण्ड के बिटकुली - खटियापाटी - सुढेला - जुड़ा मार्ग पर निर्मित 75 मीटर लंबे इस पुल के बन जाने से खटियापाटी, सुढ़ेला, पैजनी, जुड़ा, बरदा एवं चिचिरदा ग्रामों के ग्रामीणों को सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का भव्य शुभारंभ, हितग्राहियों को मिला लाभ—सांस्कृतिक संध्या ने बांधा समां

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा एवं प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया दीप प्रज्ज्वलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर रविवार को जिला स्तरीय राज्योत्सव का रंगारंग शुभारंभ बलौदाबाजार जिले के पंडित चक्रपाणी शुक्ल शासकीय हाई स्कूल मैदान में हुआ। समारोह की अध्यक्षता राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने की, जबकि जिले के प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर राज्योत्सव का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह मुक्त 225 पंचायतों और स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मुक्त 60 पंचायतों के सरपंच-सचिवों को सम्मानित किया गया। समाज कल्याण विभाग ने 86 वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल वितरित की, वहीं हम होंगे कामयाब योजना के अंतर्गत 72 युवाओं को प्रशस्ति पत्र दिए गए। आदिवासी विकास विभाग द्वारा 4343 विद्यार्थियों को 2 करोड़ से अधिक राशि की छात्रवृत्ति वितरित की गई। साथ ही स्वामित्व योजना के तहत 18,200 किसानों को स्वामित्व कार्ड प्रदान किए गए।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा निर्मित इस राज्य ने आज विकास की नई ऊँचाइयाँ छू ली हैं।

हमारी सरकार की नीतियों से प्रदेश में समृद्धि और खुशहाली का वातावरण बना है। प्रभारी मंत्री जायसवाल ने रजत जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है और विश्व में निवेश का केंद्र बन रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रदेश शीघ्र ही नक्सलमुक्त होगा और महतारी वंदन जैसी योजनाओं ने महिला सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कलेक्टर दीपक सोनी ने स्वागत उद्बोधन में जिले की विकास उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए राज्योत्सव की तैयारियों और प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, उपाध्यक्ष पवन साहू, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, पूर्व विधायक डॉ. सनम जांगड़े, महिला आयोग सदस्य लक्ष्मी वर्मा, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, डीएफओ गणवीर धम्मशील, सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

विभागीय प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, राजस्व, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्योग, स्वास्थ्य समेत करीब 20 विभागों ने अपनी योजनाओं और उपलब्धियों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई थी।

सांस्कृतिक संध्या ने बांधा समां

राज्योत्सव की सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। रंग सरोवर के भूपेन्द्र साहू व दल ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकशैली प्रस्तुत की, जबकि राधारानी पंडवानी पार्टी (डमरू, बलौदाबाजार) के फिरतराम साहू एवं साथियों ने लोककला की अद्भुत प्रस्तुति दी। सुर ओ चंदम आर्टिस्ट बैंड ग्रुप ने लोक और सूफी संगीत से वातावरण को मधुर बनाया, वहीं बिलासपुर की किरण मोइत्रा एवं दल ने कठपुतली और नाट्य मंचन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जनकल्याण और संस्कृति, छत्तीसगढ़ की शक्ति - मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर।। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले में तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती का यह वर्ष राज्य के गौरव, संस्कृति, पहचान और विकास यात्रा का प्रतीक है। कार्यक्रम की शुरुआत पावन संस्कृत श्लोक—

छत्तीसगढ़स्य राज्यस्य
रजतोत्सवसमागमे।
जयतु संस्कृतिः पुण्या, जयतु
जनकल्याणता:।

से हुई। इसका अर्थ बताते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि यह आयोजन हमारी पुण्य संस्कृति और जनकल्याण की भावना का उत्सव है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ केवल धान का कटोरा नहीं, बल्कि संस्कृति का अमूल्य भंडार है। यहाँ के लोकगीतों में जीवन की धड़कन, नृत्य में आत्मा की अभिव्यक्ति और परंपराओं में पीढ़ियों का अनुभव समाया हुआ है। हमारी जनजातीय परंपराएँ, लोककलाएँ, त्योहार व रीतिङ्गरिवाज हमारी पहचान हैं, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

उन्होंने कहा कि बीते 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने महिला सशक्तिकरण, पोषण, शिक्षा, जनकल्याण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्रों में निरंतर प्रगति की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग तक विकास के अवसर पहुंचा रही है। परंपरा और आधुनिकता के समन्वय से आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का निर्माण किया जा रहा है।

राजवाड़े ने कहा कि राज्योत्सव केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी विरासत, उपलब्धियों और सामूहिक सहयोग की प्रेरणा है। यह आयोजन प्रदेशवासियों को अपनी मौलिक जड़ों से जोड़ते हुए विकास की नई दिशा में आगे बढ़ने का संदेश देता है। उन्होंने प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सभी के सहयोग का आह्वान किया।

अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने लोकनृत्य, गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भव्य प्रदर्शन किया। जनजातीय लोकनृत्यों की जिला स्तरीय प्रतियोगिता ने आयोजन स्थल को उत्साह और उल्लास से भर दिया। राज्योत्सव के दौरान मंत्री राजवाड़े ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करते विभागीय स्टालों का अवलोकन भी किया। उन्होंने स्टालों में महिला उद्यमिता, पोषण कार्यक्रम, हस्तशिल्प, कृषि व स्थानीय उत्पादों की विशेष सराहना की और इन्हें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने वाला बताया।

राजवाड़े ने कहा कि राज्योत्सव में उभरते प्रतिभाशाली कलाकारों और स्थानीय उत्पादों को मंच प्रदान कर उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है, जो हमारी सांस्कृतिक पहचान और आर्थिक सशक्तिकरण दोनों को मजबूती देता है।

सुशासन और जनकल्याण की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है छत्तीसगढ़ः मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 2 नवंबर को मिनी स्टेडियम मोहला में जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने छत्तीसगढ़ महतारी की शैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना कर किया। उन्होंने अपील की कि जब हम छत्तीसगढ़ की रजत जयंती मना रहे हैं, तब हमें संकल्प लेना चाहिए कि 2047 तक विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करें।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने जिलेवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह दिन हम सबके लिए गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में हो रहा विस्तार

राज्य सरकार का बजट सभी वर्गों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। गरीबों को पक्का आवास, युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार, तथा अन्नदाताओं को उचित मूल्य देना शासन की प्राथमिकता है। राज्य में शासकीय विद्यालयों का उन्नयन किया गया है तथा 14 मेडिकल कॉलेजों के साथ नए नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना की जा रही है, जिससे युवाओं को शिक्षा व रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और स्वास्थ्य सेवाओं का भी विस्तार होगा

नक्सलमुक्त, विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में ठोस कदम

मंत्री साहेब ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश को नक्सलमुक्त बनाने के लिए ठोस कार्य किए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की सुविधाएँ दूरस्थ अंचलों तक पहुँचे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह से सजा राज्योत्सव मंच

राज्योत्सव के अवसर पर स्थानीय कलाकारों एवं स्कूली बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक मोहला-मानपुर इन्द्र शाह मंडावी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। राज्योत्सव अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए थे। मंत्री श्री साहेब ने इनका अवलोकन किया तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी ली।

इस अवसर पर उन्होंने सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत छात्राओं को साइकिल प्रदान की मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत हितग्राहियों को मोटरसाइकिल, आईस बॉक्स एवं चारपहिया वाहन वितरित किए।

राज्य स्थापना दिवस समारोह में जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। विभाग द्वारा प्रकाशित जनमन जैसी पत्रिकाओं का भी वितरण किया गया, जिसमें शासन के जनहितकारी कार्यों और योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई।

कृषि, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास को मिल रही गति

मंत्री श्री साहेब ने बताया कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। धान खरीदी 3100 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से लेने की बात कही। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इसके साथ ही जरूरतमंद परिवारों के लिए आवास निर्माण और महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950